हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, गुरुवार 6 फरवरी 2025

दिल्ली का एग्जिट पोल-2025

एजेंसी	भाजपा+	आप	कांग्रेस	अन्य
मैट्रिज	35-40	32-37	0-1	0-0
जेवीसी	39-45	22-31	0-2	0-1
चाणक्य स्ट्रैटेजीज	39-44	25-28	2-3	0-0
पीपल्स पल्स	51-60	10-19	0-0	0-0
पीपल्स इनसाइट	40-44	25-29	0-1	0-0
पोल डायरी	42-50	18-25	0-2	0-0
पी-मार्क	39-49	21-31	0-1	0-0
वी-प्रीसाइड	18-23	46-52	0-1	0-0
माइंड ब्रिक	21-25	44-49	0-1	0-0
डीवी-रिसर्च	36-44	26-34	0-0	0-0
एसएएस	38-41	27-30	1-3	0-1

एग्जिट पोल के बोल : बदलेगा दिल्ली का दिल, लौट रहा भाजपा का राज

11 एग्जिट पोल्स के नतीजे आए, इनमें 9 में भाजपा को बहुमत के आसार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के बाद आए लगभग सभी एग्जिट पोल में भाजपा के 26 साल से अधिक समय बाद राष्ट्रीय राजधानी की सत्ता में वापसी की संभावना जताई गई है। दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीट के लिए बुधवार को मतदान संपन्न हुआ। मतगणना आठ फरवरी को होगी।

चुनाव के बाद लगभग सभी चुनाव सर्वेक्षण एजेंसियों ने भाजपा की जीत और आम आदमी पार्टी की हार का अनुमान व्यक्त किया है। अधिकतर सर्वेक्षणों में एक बार फिर संभावना जताई गई है कि कांग्रेस के लिए खाता खोलना भी मुश्किल हो सकता है। 'मैट्रिज' के सर्वेक्षण के अनुसार, भाजपा 39 से 35 सीट जीतकर सरकार बना सकती है। इस एजेंसी ने आप को 32 से 37 तथा कांग्रेस को शून्य से दो सीट मिलने का अनुमान जताया है। 'पी-मार्क' के एग्जिट पोल में संभावना जताई गई है कि भाजपा 39-49 सीट जीतकर पूर्ण बहुत की सरकार बना सकती है। ▶▶|शेष पेज 8 पर

दिल्ली के लिए क्या हैं समीकरण?

दिल्ली में विधानसभा की 70 सीटें हैं। इनके लिए 699 उम्मीदवार मैदान में हैं। यहां 5 फरवरी 2025 को सभी सीटों पर एक ही चरण में मतदान कराया गया। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल नई दिल्ली सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, कांग्रेस के संदीप दीक्षित और भाजपा के प्रवेश वर्मा भी इसी सीट से उम्मीदवार हैं। दूसरी तरफ मौजूदा मुख्यमंत्री आतिशी मर्लेना पिछली बार की तरह ही इस बार भी कालकाजी सीट से चुनाव लड़ रही हैं। इसी सीट पर भाजपा से उन्हें रमेश बिधूड़ी टक्कर दे रहे हैं।

भाजपा-आप में ही टक्कर कांग्रेस का सफाया

दिल्ली के विधानसभा चुनाव में पोलिंग एजेंसियों ने एग्जिट पोल्स जारी कर दिए हैं। एग्जिट पोल्स के अनुसार भाजपा और आप में टक्कर दिखाई दे रही है। वहीं, कांग्रेस पूरी तरह से साफ होती नजर आ रही है। 11 पोल के अनुसार कांग्रेस को 2 से 15 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है।

70 सीटों के लिए 60 फीसदी मतदान

दिल्ली विधानसभा चुनाव में शाम पांच बजे तक 60.10 प्रतिशत मतदान हुआ। इधर, कई जगह हंगामा भी हआ। सीलमपुर के आर्यन पब्लिक स्कूल के पास बने बूथ पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि बाहर की महिलाओं को लाकर बुर्के में फर्जी वोटिंग कराई जा रही है। भाजपा कार्यकर्ता बूथ के बाहर नारेबाजी करने लगे। आप राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राष्ट्रपति भवन के पास पैसे बांटने के आरोप लगाए। वहीं, जंगपुरा में भी एक बूथ के पास पैसे बांटने के आरोप भाजपा पर लगाए गए।

निगम चुनाव में तेवर दिखाने वाले नेताओं पर पार्टी सख्त

भाजपा के 250 बागी निकाले गए, 300 से ज्यादा पर तलवार

राजनांदगांव से सत्यम शर्मा

खास खबर

नगरीय निकाय चुनाव की सरगर्मी के बीच भाजपा ने प्रदेशभर में बगावत कर चुनावी मैदान में उतरे कार्यकर्ता-नेताओं के खिलाफ सख्ती शुरू कर दी है। पार्टी के ऐसे कार्यकर्ता जो निर्दलीय रूप से अधिकृत प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, उनको निलंबित किया जा रहा है। अब तक ढाई सौ कार्यकर्ताओं को छह साल के लिए निलंबित कर दिया गया है। इससे ज्यादा कार्यकर्ताओं पर अभी भी निलंबन की तलवार लटकी हुई है। कई जिलों में निलंबन को लेकर सूची जारी की जा चुकी है।

प्रदेशभर में नगरीय निकाय चुनाव जारी है। भाजपा ने सभी पदों के लिए अपने अधिकृत प्रत्याशियों को मैदान में उतारा है, परन्तु टिकट नहीं मिलने से नाराज सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता भी चुनावी मैदान में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में उतर गए हैं। ऐसे कार्यकर्ताओं की वजह से कई जगह पार्टी का समीकरण भी बिगड़ता नजर ▶▶|शेष पेज 8 पर

कुछ जिलों में सूची जारी

भाजपा सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश के सभी जिलों में बगावत करने वाले कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इनमें कुछ जिलों में निलंबन की सूची भी जारी हो रही है। जिसमें दुर्ग, गरियाबंद और धमतरी जिले शामिल हैं। दुर्ग जिले में 45, बालोद जिले में 23, बलरामपुर में 9, जांजगीर-चांपा जिले में 22, गरियाबंद जिले के 26 और धमतरी जिले में भी 12 को निलंबित कर दिया गया है। महासमुंद में 29, कांकेर में 14 नेताओं को निलंबित किया जा चुका है। रायपुर नगर निगम में 20 नेताओं और राजनांदगांव जिले में नगर निगम सहित निकायो में बागी होकर चुनाव लड़ रहे 40 नेताओं को निलंबित करने की तैयारी है।

कबीरधाम से 19 निष्कासित

इधर, कबीरधाम भाजपा जिला अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी ने की बागी नेताओं पर बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने निकाय चुनाव के पहले 19 बागी नेताओं को भाजपा ने निष्कासित किया है।

बिलासपुर में भी

बिलासपुर। बिलासपुर में पिछले दिनों भाजपा ने पार्टी के 27 बागी प्रत्याशियों को 6 साल के लिए निष्कासित किया था तो कांग्रेस ने दो बार में 21 लोगों को निकाल दिया है। इसके साथ ही कांग्रेस ने प्रदेश कांग्रेस सचिव त्रिलोक श्रीवास को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

छह साल के लिए किया जा रहा निलंबित

पार्टी के चुनाव चिन्ह के खिलाफ चुनाव लड़ना अनुशासनहीनता के दायरे में आता है। यही कारण है कि नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ जो भी कार्यकर्ता निर्दलीय रूप से चुनाव लड़ रहा है, उसे छह साल के लिए निलंबित किया जा रहा है।

भरत वर्मा, महामंत्री, प्रदेश भाजपा

लगातार खुलासों के बाद मोक्षित कारपोरेशन को तीन साल के लिए किया बैन

अंततः, मोक्षित कार्पोरेशन ब्लैक लिस्टेड, दवा निगम ने माना 789 उपकरण बिगड़े, 215 इंस्टाल ही नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि लगातार

सीजीएमएससी के अफसरों के साथ मिलकर अरबों रुपए के रीएजेंट और दवा उपकरण के घोटाले को अंजाम देने वाले मोक्षित कार्पोरेशन को आखिरकार ब्लैक लिस्टेड कर दिया है। दवा निगम ने आदेश में स्वीकार किया है कि कंपनी द्वारा स्वास्थ्य केंद्रों को भेजे गए 789 उपकरण बिगड़े पड़े हैं और 215 का तो इंस्टाल ही नहीं किया गया है। मोक्षित कार्पोरेशन पर आरोप है कि खराब उपकरणों की निर्धारित पोर्टल में शिकायत के बाद भी सुधार नहीं किया गया। सप्लाई वाले रीएजेंट में अवयवों की कमी के साथ ब्लड सेल काउंटर-3 को कोडिंग लॉक करने का आरोप है।

छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कार्पोरेशन लिमिटेड की प्रबंध संचालक पद्मिनी भोई साहू ने मोक्षित कार्पोरेशन को तीन साल के लिए ▶▶|शेष पेज 8 पर

रेफ्रिजरेटर नहीं होने का बहाना

दवा कार्पोरेशन द्वारा भेजे गए नोटिस में मोक्षित कार्पोरेशन ने अपने जवाब में रीएजेंट के खराब होने की वजह स्वास्थ्य केंद्रों में रेफ्रिजरेटर की अनुपलब्धता को बताया था जिसे सही नहीं माना गया। रीएजेंट की सप्लाई करने के दौरान इस बात का अध्ययन विशेषज्ञों की कमेटी ने नहीं किया था कि हेल्थ सेंटरों में 4 डिग्री के तापमान में रखने के लिए रेफ्रिजरेटर है अथवा नहीं है। रीएजेंट खराब होने की जब शिकायत मिलने लगी तो विभागीय स्तर पर 600 फ्रिज खरीदने की योजना पर काम शुरू कर दिया गया था। इस बात का जिक्र ईओडब्लू द्वारा राखी थाने में कराए गए एफआईआर में भी है।

ईओडब्लू की एफआईआर, हरिभूमि ने किया था उसका खुलासा सिलसिलेवार

आईएएस समेत अफसरों पर शिकंजा

मोक्षित के एमडी की रिमांड में कई अहम खुलासे हो रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि ईओडब्ल्यू जल्द ही कुछ अफसरों को भी गिरफ्तार कर सकती है। दवा निगम से जुड़े अफसर और आईएएस पर भी शिकंजा कसा जा सकता है। अफसरों ने जानते बूझते हुए भी मोक्षित को अरबों रुपए का लाभ पहुंचाया और नियमों की अनदेखी की।

गंभीर आरोप

कंपनी ने मशीनों को लॉक किया

गंभीर आरोप यह के उनके द्वारा विभिन्न जिलों ब्लड सेल काउंटर को कोडिंग सिस्टम से लॉक कर दिया गया है जिसकी वजह से रक्त संबंधी विभिन्न जांच स्वास्थ्य केंद्रों में नहीं हो पा रही है। करोड़ों रुपए के सप्लाई किए गए रीएजेंट में आवश्यक मात्रा में अवयवों की कमी थी। इसकी वजह से इसका पर्याप्त उपयोग नहीं हो पाया। दवा कारोर्पोरेशन द्वारा कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने की वजह में इसका भी उल्लेख किया है कि विभिन्न उपकरणों में केलीब्रेशन और कंट्रोल सिस्टम काम नहीं कर रहा है जिसकी वजह से इनका उपयोग जांच के लिए नहीं हो पा रहा है।

दस फरवरी तक रिमांड में

मोक्षित कार्पोरेशन के एमडी शशांक चोपड़ा दस फरवरी तक ईओडब्लू की रिमांड पर है। मामले से जुड़े अफसरों को ईओडब्लू बुलाकर पूछताछ भी की जा रही है। बुध वार को दवा कार्पोरेशन से जुड़े कुछ और अधिकारियों को ईओडब्लू दफ्तर बुलाए जाने की चर्चा रही। इस मामले में आने वाले दिनों में कुछ और गिरफ्तारी की संभावना से इंकार नहीं किया जा रहा है। जांच के दौरान यह बाते भी सामने आ रही है कि घोटाले के पहले दवा कार्पोरेशन में जीएम टेक्निकल और जीएम एक्युपमेंट के पद को अलग-अलग किया गया था। इसके पूर्व दोनों की जिम्मेदारी एक ही अधिकारी के पास होती थी।

खबर संक्षेप

नामी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले के कई स्कूलों को बम से उड़ाने का धमकी भरा ईमेल बुधवार को मिला। इसके बाद पुलिस, दमकल विभाग और बम निरोधक दस्ता स्कूल पहुंचे और छानबीन शुरू की। हालांकि जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और यह महज अफवाह साबित हुई।

अधिकारी के घर से मिला 1.5 करोड़ नकद

मलकानगिरि। भ्रष्टाचार निरोधक सतर्कता विभाग की टीम ने ओडिशा सरकार के अधिकारी के घर पर छापेमारी के दौरान करीब 1.5 करोड़ रुपए नकद बरामद किए। सर्तकता विभाग ने आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में वाटरशेड, मलकानगिरि के उप निदेशक शांतनु महापात्र के घर पर छापा मारा।

सनी लियोनी ने मुंबई में आठ करोड़ में प्रॉपर्टी खरीदी

नई दिल्ली। फिल्म अभिनेत्री करनजीत कौर वेबर उर्फ सनी लियोनी ने मुंबई में एक कार्यालय स्थल को करीब आठ करोड़ रुपए में खरीदा है। सनी लियोनी ने यह संपत्ति ऐश्वर्या प्रॉपर्टी एंड एस्टेट्स से खरीदी है। रियल एस्टेट सलाहकार स्क्वायर यार्ड्स ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

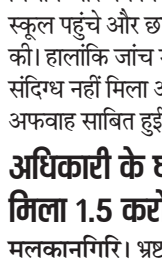

सिंहदेव के नेतृत्व में चुनाव के बयान पर सियासी घमासान महंत पलटे, कहा- सामूहिक लड़ाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/अंबिकापुर

हरिभूमि फॉलोअप

छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डा. चरण दास महंत अंबिकापुर में दिए गए उस बयान से पलट गए, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगला विधानसभा चुनाव टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में लड़ा जाएगा और हम प्रदेश में सरकार बनाएंगे। बीजेपी ने इस बयान के बहाने भूपेश बघेल पर हमला बोला, तो डा. महंत ने कहा कि मैंने तो ऐसा नहीं कहा है। मेरे बयान को तोड़ मरोड़कर पेश करना चाहते हैं। दरअसल, निगम चुनाव के प्रचार में हेलीकाप्टर से अंबिकापुर ▶▶|शेष पेज 8 पर

भूपेश ने किया पलटवार

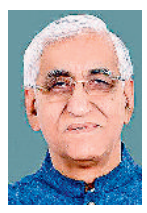

इस मुद्दे को लेकर जब बीजेपी ने घेरा तो पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा, चरणदास महंत किसी घोषणा के लिए अधिकृत नहीं हैं। यह हाईकमान करता है। वे वरिष्ठ नेता हैं, दिल्ली में उनकी मुलाकात कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे और वरिष्ठ नेताओं से होती रहती है। ऐसी कोई बात हुई होगी, तो जानकारी नहीं है, लेकिन ऐसी घोषणा पार्टी हाईकमान से ही होती है।

जनता के साथ साथ अब कांग्रेस ने भी किया भूपेश बघेल से किनारा : किरण देव

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरणसिंह देव ने कहा, महंत का यह बयान कांग्रेस के भीतर चल रहे सत्ता-संघर्ष और गुटीय घमासान का ही परिचायक है। उन्होंने कहा, प्रदेश की जनता ने इस बात को माना था कि भूपेश बघेल के कार्यकाल में प्रदेश में भयंकर भ्रष्टाचार हुआ, घपले-घोटाले हुए। छत्तीसगढ़ महतारी के खजाने को लूटा गया, जनता के अधिकारों को छीना गया। और अब, जबकि जनता ने कांग्रेस से किनारा कर लिया तो अब कांग्रेस भी बघेल से किनारा कर रही है। एक तरह से बघेल के नेतृत्व को महंत ने ठुकरा दिया है। अगले विधानसभा चुनाव में अभी चार साल चल पड़े हैं, लेकिन उसके पहले ही महंत ने इस बात की घोषणा करके कहीं-न-कहीं बघेल को एक संदेश दे दिया है कि उनका नेतृत्व कांग्रेस को स्वीकार नहीं है।

अभी इस बात पर विराम लगे- सिंहदेव

पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा, डा. महंत ने अपनी निजी भावना व्यक्त की। जैसे सरगुजा में टीएस सिंहदेव, बस्तर में कोई और अन्य जगह से किसी और के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि उनकी ऐसी कोई मंशा नहीं हो सकती है। चरणदास महंत स्वयं कांग्रेस के 5-6 बार के अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष रह चुके हैं। केंद्र सरकार, एमपी में मंत्री रूप में काम किया है। उनके पास लम्बा अनुभव है। उन्होंने कहा, चुनाव में नेतृत्व कौन करेगा यह अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ▶▶|शेष पेज 8 पर

डीजीपी अरुण देव से हरिभूमि-आईएनएच की बातचीत

नए डीजीपी ने कहा- पुलिस की प्राथमिकता लिखी होती है उसके कंधे पर लगे बैच पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- गीता के श्लोक का जिक्र किया- कहा, कर्मण्येवाधिकारस्ते ... कर्म करना हमारे हाथ में है, वो करते रहेंगे

भारतीय पुलिस सेवा के 1992 बैच के सीनियर आईपीएस अफसर अरुण देव गौतम ने बुधवार को छत्तीसगढ़ के नए डीजीपी के रूप में नवा रायपुर स्थित पुलिस मुख्यालय पहुंचकर पदभार ग्रहण किया। इस दौरान वहां पुलिस के कई आला अधिकारी भी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों ने पदभार ग्रहण करने के बाद डीजीपी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। डीजीपी ने पदभार संभालने के बाद आईएनएच-हरिभूमि से बातचीत करते हुए कहा कि पुलिस ▶▶|शेष पेज 8 पर

कानून व्यवस्था बुनियादी जिम्मेदारी

श्री अरुण देव ने कहा कि कानून व्यवस्था एक बुनियादी स्थिति है, जिसे बने रहना चाहिए। पुलिस का प्रयास हमेशा कानून व्यवस्था को बनाए रखने का होता है। पुलिस के साथ समाज और नागरिक की भी जिम्मेदारी है कि अपराध न हों, अपराधियों पर अंकुश भी बना रहे। पुलिस अपना काम कर रही है, उसे और बेहतर करने का प्रयास करेंगे।

खोजबीन में जुटी पुलिस

नदी किनारे से गुम हुए तीन दोस्त, बाहर मिले कपड़े-जूते

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

दर्री थाना क्षेत्र से लापता हुए तीन युवकों की अब तक खोजबीन नहीं हो पाई है। मंगलवार को हसदेव नदी किनारे उनके कपड़े मिले थे। संभावना जताई जा रही है कि तीनों युवक नहाने के दौरान नदी में डूब गए होंगे। जानकारी के अनुसार सीएसईबी कॉलोनी निवासी आशुतोष सोनीकर 18 वर्ष पिता मुरलीधर सोनीकर, सागर चौधरी 28 वर्ष पिता महेंद्र चौधरी, अयोध्यापुरी निवासी बजरंग प्रसाद 19 वर्ष सोमवार घर से घूमने निकले थे और लापता हो गए।

गोताखोरों की टीम पहुंची

गोताखोरों की टीम बुलाई गई है, जो लापता युवकों को नदी के अन्य हिस्सों में तलाश करेगी। दर्री थाना प्रभारी राजेश तिवारी ने बताया कि तीनों युवकों के कपड़े सुरक्षित तौर पर हसदेव नदी के तट पर मिला है जिससे संभावना जताई जा रही है कि तीनों नहाने के दौरान कहीं डूब गए होंगे।

रोड शो के दौरान जीवर्धन की दुकान में रुके मुख्यमंत्री

चाय की टपरी पर रुके सीएम, चाय बनाकर पिलाई

हरिभूमि न्यूज न्यूज ▶▶| रायगढ़

- शहर के चौक चौराहों में मुख्यमंत्री का फूलों से स्वागत

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बुधवार को रायगढ़ जिले के दौरे पर रहे, जहां उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के महापौर पद के प्रत्याशी जीवर्धन चौहान के समर्थन में जनसंपर्क किया। इस दौरान शहर में भव्य रोड शो निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। शहर के चौक-चौराहों पर सीएम का भव्य स्वागत किया गया और उन पर फूलों की वर्षा की गई। सीएम विष्णु देव साय ने मिनीमाता चौक स्थित जीवर्धन चौहान की चाय दुकान पर पहुंचकर चाय बनाई और चाय पी उनके साथ वित्त मंत्री ओपी चौधरी और भाजपा के ▶▶|शेष पेज 8 पर

भाजपा ने पीएम की गारंटी को किया पूरा

सीएम साय ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को पूरा किया है। इसका लाभ हमें नगरीय निकाय चुनाव में मिलेगा। उन्होंने जनता से भाजपा प्रत्याशियों को भारी बहुमत से जिताने की अपील की।

कांग्रेस जनता का विश्वास खो चुकी

सीएम साय ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस जनता का विश्वास खो चुकी है। 2018 के विधानसभा चुनाव में 36 वादे करके सत्ता में आई लेकिन 5 सालों तक जनता को सिर्फ छलने का काम किया। उन्होंने आगे कहा 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा और लोकसभा चुनाव में छत्तीसगढ़ की जनता ने भाजपा को 11 में से 10 सीटों पर जीत दिलाई। यही हाल नगरीय निकाय चुनाव में भी कांग्रेस का होगा।

मुखबिरी का आरोप लगाते हुए फिर एक ग्रामीण को उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

पंचायत चुनाव व निकाय चुनाव से पूर्व नक्सलियों ने फिर एक बार कायराना हरकत की। ग्रामीण युवक का अगवा कर पुलिस मुखबिरी करने का आरोप लगाते हुए मौत के घाट उतार दिया है। पिछले 48 घंटे में यह हत्या की तीसरी वारदात है जब नक्सलियों ने ग्रामीण को मौत की सजा दी है। दंतेवाड़ा जिले के 30 साल के हड़मा इमला की हत्या नक्सलियों ने की है। मामला अरनपुर थाना क्षेत्र की है। नक्सलियों ने पहले ग्रामीण हड़मा इमला को उसके घर से अगवा कर लिया था।

दिल्ली में मतदान

लोकतंत्र का महापर्व

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को मतदान हुआ। आम लोगों सहित खास शख्सियत ने भी लोकतंत्र के इस पर्व में सक्रिय भागीदारी निभाई, मताधिकार का उपयोग किया। इस दौरान, पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थियों ने भी पहली बार चुनाव के दौरान मतदान किया। नई दिल्ली के मजनू का टीला इलाके स्थित पुनर्वास कॉलोनी में अमिट स्याही से लगी अपनी उंगलियां दिखाते हुए हिंदू शरणार्थी।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, राबर्ट वाड्रा बेटे रिहान के साथ।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार परिवार के साथ।

भाजपा नेता प्रवेश वर्मा।

दिल्ली की सीएम आतिशी मार्लेना

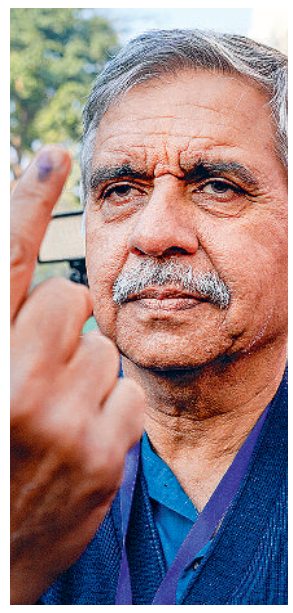

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित

भाजपा और आप कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर लगाए आरोप

सीलमपुर में बुर्के पर बवाल, जंगपुरा में पैसा बांटने को लेकर हंगामा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सीलमपुर के आर्यन पब्लिक स्कूल के पास बने बूथ पर भाजपा के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि बाहर की महिलाओं को लाकर बुर्के में फर्जी वोटिंग कराई जा रही है। भाजपा कार्यकर्ता बूथ के बाहर नारेबाजी करने लगे। आम आदमी पार्टी और भाजपा के कार्यकर्ता आमने सामने आ गए। इस हंगामे की शुरुआत उस वक्त हुई जब कुछ महिलाओं ने आरोप लगाया कि जब वह वोट डालने पहुंचीं तो पता चला कि उनके नाम से किसी और ने पहले ही वोट डाल दिया है। भाजपा समर्थकों ने दावा किया कि सीलमपुर सीट से सटे यूपी के लोनी से लोगों को लागकर बुर्के की आड़ में वोटिंग कराई जा रही है। आरोप लगाते हुए भाजपा कार्यकर्ता नारेबाजी करने लगे। आम आदमी पार्टी के समर्थक भी सामने आ गए। दोनों पक्षों के तरफ से नारेबाजी होने लगी। हंगामा इतना बढ़ा कि कुछ देर के लिए वोटिंग बाधित हो गई। माहौल बिगड़ते देख पुलिस ने तुरंत मोर्चा संभाला। पुलिसकर्मियों ने भीड़ को तितर-बितर करते हुए स्थिति को नियंत्रण में लिया। कुछ देर बाद ही स्थिति को पूरी तरह सामान्य कर दिया गया।

यहां लगे पैसे बांटने के आरोप

आप राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राष्ट्रपति भवन के पास पैसे बांटने के आरोप लगाए। वहीं, जंगपुरा में भी एक बूथ के पास पैसे बांटने के आरोप भाजपा पर लगाए गए। आप के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि उनकी सीट पर आम आदमी पार्टी के समर्थकों को बूथ तक जाने में बाधा डाली जी रही है।

सिसोदिया ने बीजेपी पर लगाया पैसे बांटने का आरोप

वोटिंग के दौरान आप और भाजपा एक-दूसरे पर लगातार हमलावर रहीं। जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र से आप के उम्मीदवार मनीष सिसोदिया एक बिल्डिंग के बाहर पहुंचे। मनीष ने आरोप लगाया कि यहां महिलाओं को पैसे बांटे जा रहे हैं। इस दौरान सिसोदिया की दिल्ली पुलिस के जवानों के साथ बहस भी हुई। इसके बाद आप और भाजपा कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस ने दोनों दलों के कार्यकर्ताओं को शांत करके वहां से हटाया।

धारदार हथियारों से थे लैस, सीमा पर टेंशन

बॉर्डर लांघकर भारत में घुस गए बांग्लादेशी, जवानों पर किया हमला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर बांग्लादेशियों ने बीएसएफ पर लगातार दो हमले किए हैं। ये हमला 4 और 5 फरवरी की दरम्यानी रात को हुआ है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर में बॉर्डर पर स्थित गांव मलिकपुर में स्मलिंग और डकैती के लिहाज से बांग्लादेशी आधी रात को आए थे। बीएसएफ ने आधी रात घुसे इन जवानों को जब चैलेंज किया तो इन बांग्लादेशियों ने बीएसएफ जवानों को चारों ओर से घरकर तलवार और दाव और कटार चलाना शुरू किया। इसके बाद बीएसएफ ने सेल्फ डिफेंस में फायरिंग की। हमले में बीएसएफ के जवान जख्मी हुए हैं जबकि एक बांग्लादेशी घुसपैठिया पकड़ा गया है।

खास बातें

- हमले में बीएसएफ के जवान हुए घायल
- एक बांग्लादेशी घुसपैठिया पकड़ा गया
- केवल छह घंटे के अंदर ही दो बार हुआ हमला

6 घंटे में दो बार घुसे बांग्लादेशी

रिपोर्ट के अनुसार ये बांग्लादेशी कटार, धारदार हथियार समेत अन्य सामानों से लैस थे। मात्र 6 घंटे में इन्होंने दो बार बीएसएफ पर हमला किया। पहला हमला रात बारह बजे के आस-पास किया गया इसके बाद सुबह सुबह बांग्लादेशी फिर आ धमके। दोनों ही बार बीएसएफ ने इन्हें पीट-पीटकर भगाया। रिपोर्ट के अनुसार 4-5 फरवरी की आधी रात को कुछ बांग्लादेशी अंतर्राष्ट्रीय बॉर्डर लांघकर भारत की सीमा में घुस गए। ये बांग्लादेशी घुसपैठ और स्मगलिंग के इरादे से दक्षिण दिनाजपुर के मलिकपुर गांव में घुसे थे।

बीएसएफ के हथियार छीनने की कोशिश

इसके बाद 5 फरवरी को तड़के एक बार फिर बांग्लादेशी बड़ी संख्या में बॉर्डर क्रॉस कर भारत की सीमा में घुस गए। इन्होंने एक बार फिर से दक्षिण दिनाजपुर के मलिकपुर गांव को निशाना बनाया। इस बार वे भारी हथियार लेकर आए थे। इन बांग्लादेशियों के पास कटार, डंडे समेत कई औजार थे। इस बार ये कंटीली तार लेकर भी अंदर आए थे। जब बीएसएफ ने इन्हें चुनौती दी थी इन बांग्लादेशियों ने बीएसएफ जवानों पर हमला कर दिया। इन्होंने धारदार हथियार और दाव से जवानों पर हमला कर दिया।

जान बचाकर भागे बांग्लादेशी

इसके बाद बीएसएफ ने इन बांग्लादेशियों पर सचमुच में गोलियों से फायरिंग की। गोलियां चलते ही बांग्लादेशी जान बचाकर भागे। बता दें कि घटना के दौरान बॉर्डर पर घना कोहरा छाया था। सुबह उजाला होने पर बीएसएफ ने जब वहां सर्च ऑपरेशन शुरू किया तो एक बांग्लादेशी घुसपैठिया जख्मी हालत में मिला। इसे बीएसएफ ने गंगा रामपुर अस्पताल में भर्ती कराया है। बीएसएफ ने घटनास्थल से कई हथियार जब्त किये हैं। बांग्लादेशियों के हमले में घायल जवान का भी इलाज कराया जा रहा है।

आतंकवाद पर कड़े एक्शन का सुरक्षाबलों को शाह का निर्देश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा स्थिति को लेकर दिल्ली में बुधवार को एक-एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। गृह मंत्री ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई तेज करने का निर्देश दिया ताकि घुसपैठ को बिल्कुल खत्म किया जा सके। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति पर दो दिन में दो उच्च स्तरीय समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व ने केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस बैठक में जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, केंद्रीय गृह सचिव, इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक, जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक सहित गृह मंत्रालय और जम्मू-कश्मीर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

'सेना का शासन मंजूर, लोकतंत्र से परहेज, यह पाखंड नहीं चलेगा'

जयशंकर ने पश्चिमी देशों के रवैये पर उठाई ऊंगली

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिमी देशों की नीति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और सैन्य शासन पर उनके अलग-अलग स्टैंडर्ड हैं। उन्होंने पाकिस्तान और बांग्लादेश का उदाहरण देते हुए बताया कि पश्चिमी देश किस तरह से अपनी सुविधा के हिसाब से सिद्धांतों को बदलते हैं।

विदेश मंत्री ने मंगलवार को एक सेमिनार में कहा कि अब दुनिया के एजेंडा को कुछ लोग तय नहीं कर सकते। पाकिस्तान और बांग्लादेश के उदाहरण यह साबित करते हैं कि पश्चिमी देशों ने हमेशा अपने फायदे के हिसाब से नीति बनाई। पाकिस्तान में सेना का शासन रहा, लेकिन उसे हमेशा समर्थन मिला। दूसरी ओर, बांग्लादेश में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार को गिराने की साजिश हुई। इसके बावजूद वहां कि अंतरिम सरकार को पश्चिमी देशों का समर्थन मिलता रहा है।

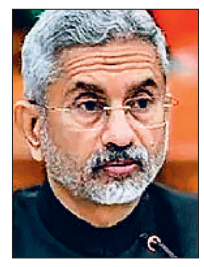

पाखंड किया जाना चाहिए बेनकाब

जयशंकर ने कहा कि जब किसी देश में सैन्य शासन होता है, तब पश्चिमी देशों को कोई परेशानी नहीं होती। लेकिन जब कोई लोकतांत्रिक सरकार बनती है और वह उनकी नीतियों के खिलाफ जाती है, तो उसे गिराने की कोशिश होती है। उन्होंने कहा कि अगर सैन्य शासन स्वीकार्य है, तो फिर लोकतंत्र की दुहाई क्यों दी जाती है? यह एक बड़ा पाखंड है, जिसे अब बेनकाब किया जाना चाहिए।

रूस-यूक्रेन और मिडिल ईस्ट में दोहरी नीति

जयशंकर ने कहा कि इस समय दुनिया में दो बड़े संघर्ष चल रहे हैं। एक मिडिल ईस्ट में और दूसरा रूस-यूक्रेन युद्ध। उन्होंने कहा कि इन संघर्षों में भी पश्चिमी देशों की नीति में भेदभाव साफ दिखता है। वे अपने सिद्धांतों की दुहाई देते हैं, लेकिन उनका पालन चुनिंदा जगहों पर ही करते हैं।

डॉ. वाशानी दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें 94060-21769
हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुनः लगा दें।

अपनी शादी से ठीक दो दिन पहले 'मंगल सेवा'

अदाणी परिवार नवविवाहित दिव्यांग महिलाओं का करेगा सहयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी के छोटे बेटे जीत अदाणी की शादी से पहले, अदाणी परिवार ने 'मंगल सेवा' की घोषणा की है, जिसके तहत नवविवाहित दिव्यांग महिलाओं को सहायता प्रदान की जाएगी। इस पहल के तहत शुरुआत में, हर साल 500 विकलांग महिलाओं को 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। अपनी शादी से ठीक दो दिन पहले, जीत अदाणी ने अपने घर पर 21 दिव्यांग नव-दंपतियों से मुलाकात की और इस पहल की शुरुआत की। जीत अदाणी 7 फरवरी 2025 को दिवा शाह से अहमदाबाद, गुजरात में शादी करने जा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इस पवित्र पहल से कई दिव्यांग बेटियों और उनके परिवारों का जीवन सम्मान और खुशी से भर जाएगा। उन्होंने जीत और दिवा को सेवा मार्ग पर आगे बढ़ते रहने का आशीर्वाद दिया।

सेवा साधना है

'सेवा साधना है, सेवा प्रार्थना है और सेवा ही परमात्मा है', गौतम अदाणी ने अपनी इस समाजसेवी सोच के जरिए एक्स (पहले ट्विटर) पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया कि उनके बेटे जीत और बहू दिवा एक पुण्य संकल्प के साथ अपना सफर शुरू कर रहे हैं। उन्होंने 'मंगल सेवा' के जरिए हर साल 500 नवविवाहित दिव्यांग महिलाओं को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का संकल्प लिया है।

फिलहाल, जीत अदाणी, अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के निदेशक हैं, जो भारत की सबसे बड़ी एयरपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनी है और 8एयरपोर्ट का प्रबंधन और विकास कर रही है। इसके अलावा, वह अदाणी ग्रुप के डिफेन्स, पेट्रोकेमिकल्स और कॉपर बिजनेस की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। साथ ही, वह समूह के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन का नेतृत्व भी कर रहे हैं।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर — 36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्पलेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre — रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479, 0771-4020411, www.makeoverraipur.com — त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मोतियाबिंद — आयुष्मान कार्ड सुविधा — SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक — दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

उपलब्ध विशेषताएं: • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल — बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक — Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre — Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770, 9329004557, 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम — बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

बांठिया हॉस्पिटल — राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.) फोन: 0771-2425009, 2424737
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का ईलाज

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

रायपुर, गुरुवार 6 फरवरी 2025 | माघ शुक्ल पक्ष नवमी | वर्ष : 23, अंक : 201 | पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

महाकुंभ में पहुंचे प्रधानमंत्री

पूरी बांह का केसरिया रंग का कुर्ता और नीले रंग का पायजामा पहना

पीएम ने लगाई डुबकी, कहा-मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मिली असीम शांति

एजेंसी ⏭ प्रयागराज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई और कहा कि मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मेरे मन को असीम शांति और संतोष मिला। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच संगम में स्नान करते समय प्रधानमंत्री को पूरी बांह का केसरिया रंग का कुर्ता और नीले रंग का पायजामा पहने देखा गया। उन्होंने रुद्राक्ष ⏭शेष पेज 8 पर

पूजा-अर्चना का परम सौभाग्य

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रयागराज महाकुंभ में आज पवित्र संगम में स्नान के बाद पूजा-अर्चना का परम सौभाग्य मिला। मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मन को असीम शांति और संतोष मिला है। उनसे समस्त देशवासियों की सुख-समृद्धि, आरोग्य और कल्याण की कामना की। हर-हर गंगे!

25,000 आदिवासी महाकुंभ में लगाएंगे डुबकी

धर्म की रक्षा का लेंगे संकल्प

आदिवासी समुदायों के करीब 25 हजार श्रद्धालु उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के दौरान संगम में पवित्र डुबकी लगाएंगे तथा अपने धर्म, संस्कृति और परंपराओं की 'रक्षा' करने की शपथ लेंगे। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम से संबद्ध एक संस्था ने बुधवार को यह जानकारी दी। सेवा प्रकल्प संस्थान ने बताया कि वनवासी कल्याण आश्रम ने छह फरवरी से 10 फरवरी तक महाकुंभ में आदिवासी समुदायों के भक्तों की एक 'विशाल सभा' का आयोजन किया है।

आदिवासी संतों-श्रद्धालुओं की शोभा यात्रा कल

आरएसएस से संबद्ध संस्था ने कहा कि सात फरवरी को आदिवासी संतों और श्रद्धालुओं की भव्य 'शोभा यात्रा' आयोजित की जाएगी। बयान में कहा गया है कि बड़ी संख्या में आदिवासी श्रद्धालु अपने पारंपरिक परिधान में 'शोभा यात्रा' में भाग लेंगे और पवित्र स्नान के लिए संगम पहुंचेंगे। सेवा प्रकल्प संस्थान ने बताया, "देश भर से विभिन्न जनजातियों के 150 नृत्य दल इस जनजातीय समागम में हिस्सा लेंगे और अपने पारंपरिक नृत्य और संगीत का प्रदर्शन करके पूरी दुनिया को 'तू मैं एक रक्त' का संदेश देंगे।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

मुफ्त राशन ले रहे अपात्र की होगी छंटनी

नई दिल्ली। आयकर विभाग 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' (पीएमजीकेएवाई) के

तहत अपात्र लोगों को लाभार्थियों की सूची से हटाने के लिए आंकड़ों को खाद्य मंत्रालय के साथ साझा करेगा। पीएमजीकेएवाई के तहत उन गरीब परिवारों को मुफ्त राशन दिया जाता है जो आयकर का भुगतान नहीं करते हैं। सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में पीएमजीकेएवाई के लिए 2.03 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। जो चालू वित्त वर्ष के 1.97 लाख करोड़ रुपए के संशोधित अनुमान से अधिक है।

किसी की बेटी यूरोप बोलकर अमेरिका गई, किसी ने छुपाई डंकी रूट की बात

हथकड़ियों से जकड़े हाथ, कतार में विमान से उतरे खदेड़े गए 104 भारतीय

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली/अमृतसर

अमेरिका का एक सैन्य विमान 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर बुधवार दोपहर यहां श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। निर्वासित लोगों में से 30 पंजाब से, 33 हरियाणा और 33 गुजरात से, तीन-तीन महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश से तथा दो चंडीगढ़ से हैं। सूत्रों के मुताबिक, निर्वासित किये गये लोगों में 19 महिलाएं और 13 नाबालिग शामिल हैं। अमेरिकी सरकार द्वारा निर्वासित भारतीयों का यह पहला जत्था है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ व्यापक वार्ता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वाशिंगटन यात्रा से कुछ ही दिन पहले यह कार्रवाई हुई है। अमेरिकी वायुसेना का सी-17 ग्लोबमास्टर विमान अपराह्न एक बजकर 55 मिनट पर अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरा। हवाई अड्डे के बाहर भारी संख्या ⏭शेष पेज 8 पर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में रह-रहे अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त दिखाते हुए बेदखल करना शुरू कर दिया है। 104 अवैध भारतीयों को लेकर पंजाब के अमृतसर एयरपोर्ट पर अमेरिकी सैन्य विमान सी-17 उतरा। अमेरिका से लौटने वालों में सबसे अधिक गुजरात और हरियाणा के लोग हैं। कई लोग अमेरिका अपने सपने को पूरा करने गए थे, ऐसे में उन्हें बैरंग लौटना पड़ा।

दस्तावेजों की जांच भेजा जाएगा घर

अमेरिका से डिपोर्ट 104 भारतीयों में सबसे ज्यादा लोग हरियाणा और गुजरात के हैं। इसके बाद पंजाब के लोग हैं। डिपोर्ट होकर भारत लौटे 104 लोगों को लेकर यूएस आर्मी का विमान ने बुधवार दोपहर अमृतसर स्थित श्री गुरु रामदास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड किया। सभी के दस्तावेज की जांच होगी, उसके बाद घर रवाना किया जाएगा।

पंजाब सीएम मान से मांगी मदद

अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरे निर्वासितों में से एक प्रदीप के परिवार के सदस्यों ने मोहाली जिले में बात करते हुए भगवंत मान सरकार से युवाओं को अमेरिका भेजने के लिए उनके द्वारा लिए गए कर्ज को चुकाने की मांग की। उन्होंने दावा किया कि उज्ज्वल भविष्य के लिए बेटे को अमेरिका भेजने के लिए उन्हें अपनी जमीन बेचनी पड़ी। 20-25 लाख रुपए का कर्ज लेना पड़ा। सदस्यों ने कहा चूंकि उसे निर्वासित कर दिया गया है इसलिए या तो मान सरकार उन्हें अपना कर्ज चुकाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करे।

अमेरिका से निर्वासित भारतीयों को लेकर आया विमान अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरा

अमेरिका और भारत के अधिकारियों के बीच बैठक

अमेरिका से डिपोर्ट होकर आ रहे 104 भारतीयों की फ्लाइट सीधा एविएशन क्लब में लैंड करवाई गई। यहां पर अमेरिका से आ रहे अधिकारियों व भारत के मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स के अधिकारियों के बीच मीटिंग हुई। इस मीटिंग में अवैध तरीके से इस तरह जाने वाले लोगों को रोकने पर बातचीत हुई।

हथकड़ियां और पैरों में बेड़ियां पहनाई गई थीं

अमेरिकी विमान से बुधवार को लाए गए 104 निर्वासितों में शामिल जसपाल सिंह ने दावा किया कि पूरी यात्रा के दौरान उन्हें (निर्वासित प्रवासियों के) हथकड़ी और पैरों में बेड़ियां बांधी गईं। अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरने के बाद ही उन्हें हटाया गया। गुरदासपुर जिले के हरदोरवाल गांव के रहने वाले 36 वर्षीय सिंह ने बताया कि 24 जनवरी को अमेरिकी सीमा पार करने के बाद उन्हें अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने पकड़ लिया था। विभिन्न राज्यों से 104 अवैध प्रवासियों को लेकर एक अमेरिकी सैन्य विमान बुधवार को यहां उतरा।

मौज-मस्ती पड़ी भारी

ट्रैक्टर में दबने से तीन नाबालिगों की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरुद

ग्राम चर्रा से कुरुद मार्ग में कृषि महाविद्यालय के पास एक दर्दनाक हादसा हो गया। अनियंत्रित ट्रैक्टर के पलटने से उसमें सवार तीन नाबालिग की दबने से मौके पर ही मौत हो गई, वहीं एक गंभीर रूप से घायल है। मोंगरा निवासी प्रीतम चंद्राकर पिता हरीश चंद्राकर (17), मयंक ध्रुव पिता चंद्रिका ध्रुव (16), चर्रा निवासी हुनेंद्र साहू पिता नरेंद्र साहू (14) और बानगर निवासी अर्जुन यादव पिता परमेश्वर यादव (16) चारों ट्रैक्टर सीजी 05 जी 7165 को स्कूल के भोजन अवकाश का फायदा उठाते हुए मौज-मस्ती के लिए ले गए।

ट्रेलर की चपेट से स्कूटी सवार किसान की मौत

वहीं दूसरी घटना में बैंक कार्य निपटाकर घर जा रहे स्कूटी सवार किसान की सांधा चौक कुरूद के पास ट्रेलर की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। ग्राम चिंवरी निवासी झुमुकलाल साहू पिता स्व. लालाजी साहू (61) मंगलवार को अपनी स्कूटी क्रमांक सीजी 04 एमपी 1793 से कुरूद आया था। जहां से वह बैंक कार्य निपटाकर शाम पौने 4 बजे वापस घर लौट रहा था, तभी सांधा ⏭शेष पेज 8 पर

तिरुपति मंदिर से 18 गैर हिंदू कर्मचारियों की छुट्टी

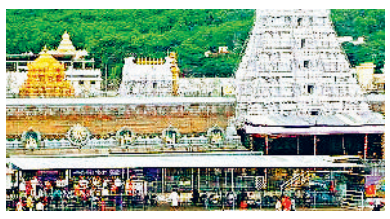

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने गैर-हिंदू कर्मचारियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। बुधवार को टीटीडी की ओर से एक नोटिस भी जारी किया गया। जिसमें बताया गया कि 18 कर्मचारियों को संस्थान से हटाया गया है। नोटिस में लिखा है कि भगवान वेंकटेश्वर मंदिर की पवित्रता को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने इन कर्मचारियों को हटाने का फैसला किया है। इन सभी को ट्रांसफर लेने या वॉलेंट्री रिटायरमेंट स्कीम लेने के लिए कहा गया है। टीटीडी बोर्ड ने हाल ही में ऐसे कर्मचारियों को या तो सरकारी विभागों में ट्रांसफर करने या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) के माध्यम से उन्हें बाहर निकालने का संकल्प लिया है।

भक्तों की भावनाएं प्रभावित न हों

चेयरमैन बीआर नायडू ने यह सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया था कि तिरुमाला हिंदू आस्था और पवित्रता का प्रतीक बना रहे। 1989 बंदोबस्ती अधिनियम के अनुसार, टीटीडी कर्मचारियों को हिंदू रीति-रिवाजों का पालन करना चाहिए।

बांग्लादेश में बवाल, कई शहरों में हिंसा मुजीबुर्रहमान के घर को लगाई आग

अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना के भाषण के दौरान भड़की हिंसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान के ढाका स्थित आवास में बुधवार को प्रदर्शनकारियों के एक बड़े समूह ने तोड़फोड़ की और आग लगा दी। यह तोड़फोड़ उस समय हुई, जब उनकी बेटी और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना 'ऑनलाइन' लोगों को संबोधित कर रही थीं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि राजधानी के धानमंडी इलाके में स्थित घर के सामने हजारों लोग शाम से ही एकत्र हो गए थे। इस घर को पहले एक स्मारक संग्रहालय में बदल दिया गया था। सोशल मीडिया पर बुलडोजर जुलूस का आह्वान किया गया था, क्योंकि हसीना स्थानीय समयानुसार रात नौ बजे अपना संबोधन देने वाली थीं। हसीना का संबोधन आवामी लीग की अब भंग हो चुकी छात्र शाखा छात्र लीग द्वारा आयोजित किया गया था। पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में देशवासियों से वर्तमान शासन के खिलाफ संगठित प्रतिरोध करने का आह्वान किया।

प्रदर्शन की तैयारी में थी अवामी लीग

अवामी लीग गुरुवार को बांग्लादेश में ट्रांसपोर्ट सिस्टम को बंद करके हाइवे समेत कई शहरों को जाम करने की तैयारी में थी। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली मौजूदा अंतरिम सरकार और अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं के खिलाफ हो रही हिंसा के विरोध में अवामी लीग ने बड़े प्रदर्शन का आह्वान किया था।

बांग्लादेश में हालात गंभीर

अवामी लीग के प्रदर्शन से ठीक एक शाम पहले बांग्लादेश में हालात गंभीर हो गए हैं। उपद्रवी गेट तोड़कर जबरन शेख मुजीबुर्रहमान के आवास के भीतर घुस गए. जानकारी के मुताबिक यह विरोध पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिए गए एक ऑनलाइन भाषण के जवाब में शुरू हुआ है।

छात्राओं को फ्री सेनेटरी नैपकीन, महिला प्रसाधन

कांग्रेस के 34 वादे, बांटेंगे पट्टा, कन्या विवाह के लिए सामुदायिक भवन मुफ्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में कांग्रेस ने 34 बिंदुओं पर अपना घोषणा पत्र जारी किया। कांग्रेस प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों की जनता से वादा करती है कि निकायों में कांग्रेस की परिषद बनने के बाद प्रदेश के नगरीय क्षेत्र की जनता के हित में निम्नांकित कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करेंगे। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में शासकीय भूमि पर काबिज कब्जा धारकों को धारणा ⏭शेष पेज 8 पर

खास खबर

युवाओं के लिए ये वादे किए

प्रत्येक निकाय में विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी के लिए सर्व-सुविधायुक्त निःशुल्क लाइब्रेरी खोली जाएगी। युवाओं को रोजगार देने के लिए सभी निकाय क्षेत्रों में यूथ हब बनाया जाएगा। समस्त सरकारी स्कूल एवं आत्मानंद स्कूल में मेधावी छात्रों को प्रोत्साहन राशि से सम्मानित किया जाएगा।

बीपीएल के लिए यह वादा

श्रद्धांजलि राशि योजना के बीपीएल कार्डधारियों को 2000 रुपए से बढ़ाकर 5000 रुपए किया जाएगा। शासकीय भूमि पर काबिज भूमिहीन व्यक्तियों को भूमि धारण करने के लिए धारणा अधिकार दिया जाएगा। सभी को पात्रतानुसार वृद्धा, दिव्यांग एवं निराश्रित लोगों को पेंशन सुविधा प्राप्त हो, सुनिश्चित किया जाएगा।

महिलाओं के लिए किए ये वादे

तालाबों का संरक्षण और सौन्दर्यीकरण की विशेष पहल की जाएगी। घाट एवं तालाबों में महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम बनाए जाएंगे। शहरी व्यापारिक क्षेत्रों में महिला प्रसाधन की व्यवस्था दुरुस्त होगी। महिला सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस कंट्रोल रूम के साथ सामंजस्य कर सभी

⏭शेष पेज 8 पर

ग्रामीण/शहरी रणभूमि

कांग्रेस का घोषणा पत्र झूठ का पुलिंदा: साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा, कांग्रेस का घोषणा पत्र झूठ का पुलिंदा होता है, ये झूठे सपने दिखाते हैं। ये जनता को धोखा देने के लिए घोषणा पत्र लाती है। विधानसभा चुनाव 2018 में इन्होंने 36 वादे किए थे, जिसमें से एक भी वादे पूरे नहीं किए और जनता जनार्दन ने इसका बदला ले लिया। अब नगरीय निकाय चुनाव में भी सबक सिखाएगी। श्री साव ने कहा कि, कांग्रेस देश और राज्य के हितों के विपरीत कार्य करती है, इसलिए जनता इससे दूर जा चुकी है।

भाजपा ने बेशर्मी पूर्वक झूठ बोला: बैज

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, विधानसभा चुनाव में मोदी की गारंटी में बीजेपी ने 20 वादे किए थे. जिसमें से महज तीन वादों को ही पूरा कर पाई है। 17 वादे आज भी पूरे नहीं हुए। जब वादे पूरे नहीं किया ऐसे में नगरीय निकाय चुनाव में घोषणा पत्र जारी करने का क्या मतलब है। ऐसे में प्रदेश की जनता को ठगने के लिए भाजपा ने अपने घोषणा पत्र पर बेशर्मी पूर्वक झूठ बोला है।

नगर निगम जगदलपुर

नगर निगम बनने के बाद यह 5वां चुनाव है। जगदलपुर शहर की जनता ने भाजपा और कांग्रेस दोनों दल को 2-2 बार महापौर बनाया है। इस चुनाव में भाजपा के संजय पाण्डेय और कांग्रेस के मलकीत सिंह गैदू के बीच मुकाबला है। संजय पाण्डेय पार्षद, एमआईसी सभापति और नेता प्रतिपक्ष रह चुके है। वहीं मलकीत सिंह के लिए नगर निगम का चुनाव पहला है। वे बस्तर परिवहन संघ के अध्यक्ष रह चुके हैं। वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री है। दोनों के लिए महापौर का चुनाव पहला है। भाजपा से गीतेश मल्ल और किरण देव तथा कांग्रेस से जतिन जायसवाल और सफीरा साहू महापौर चुने गए थे। इस समय सफीरा भाजपा में आ चुकी है। भाजपा-कांग्रेस के मेयर पद के प्रत्याशियों से बातचीत कर हमने जाना कि चुनाव जीतने के बाद उनकी क्या प्राथमिकताएं होंगी।

मेयर प्रत्याशियों ने खेला स्वच्छता पर दांव, कहा-दिलाएंगे प्रदूषण से राहत

शहर को स्वच्छ शहर बनाकर टॉप पर लाना लक्ष्य : संजय

भाजपा प्रत्याशी संजय पाण्डेय का कहना है कि लगातार पार्षद बनते शहर विकास के लिए कार्य करने का अनुभव है। इस बार पार्टी ने महापौर पद पर प्रत्याशी बनाकर भरोसा जताया है। केन्द्र और राज्य में भाजपा की सरकार है। नगर में ट्रिपल इंजन की सरकार बनने से विकास कार्य में तेजी आएगी। हमारी प्राथमिकता में शहर को स्वच्छ सुंदर बनाकर टॉप पर लाना है। चौराहों का खुबसूरत शहर जगदलपुर में जो समस्याएं हैं उसे जनता के साथ बैठकर उनकी मंशा के अनुसार नीति बनाकर विकास करेंगे। बढ़ती आबादी के साथ शहर का दायरा भी बढ़ रहा है। इसलिए पंचवर्षीय योजना बनाकर विकास को गति दी जाएगी। विधायक किरण देव ने 1 साल में शहर के विकास के लिए करोड़ों रूपए की सौगात देकर साफ-सफाई, पेयजल, सड़क आदि के लिए विकास कार्यों को तेज किया है। वे स्वयं भी महापौर रह चुके है। उनके कार्यकाल में बड़े-बड़े कार्य हुए हैं। उन्हें शहर को किस तरह से व्यवस्थित करते हुए विकसित करना है यह मालूम है। इसलिए उनके मार्गदर्शन में जो जरूरी कार्य मसलन ट्रांसपोर्ट नगर, गोकुल नगर का निर्माण समेत पुराना बस स्टैण्ड में व्यवसायिक कॉम्पलेक्स का लाभ शहरवासियों के लिए शुरू करना आवश्यक है। कुल मिलाकर नियोजित विकास सभी 48 वार्डों का हो सके इसके लिए योजना बनाएंगे। सरकार हमारी, विधायक हमारा, सांसद हमारा और जब नगर सरकार हमारा होगा तो तेजी से विकास होगा ही।

संजय पाण्डे

आमने सामने

धूल मुक्त शहर बनाकर नियोजित विकास करेंगे : मलकीत

कांग्रेस प्रत्याशी मलकीत सिंह गैंदू ने कहा कि शहर की जनता के मंशा के अनुरूप सभी 48 वार्ड का सर्वांगीण विकास करना मेरी प्राथमिकता रहेगी। प्रदेश का रियासतकालीन सबसे खुबसूरत नगर के रूप में जगदलपुर की विशेष पहचान है। लेकिन भाजपा के शासन में धूल मुक्त शहर बन गया है। संजय मार्केट समेत शहर के अति व्यस्ततम इलाकों में ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले और शहरी विशेषकर महिलाओं के लिए शौचालय बनाना अतिआवश्यक है। कांग्रेस सरकार के समय दलपत सागर की खुबसूरती आज पर्यटकों और शहरवासियों के सुबह और शाम सुकून का पल बिताने के लिए शानदार जगह बन चुका है। महारानी अस्पताल आज निजी अस्पताल के समान साफ-सुथरा और सर्वसुविधायुक्त बनाने में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रयास किया। प्रियदर्शिनी इंदिरा स्टेडियम, सिटी ग्राऊंड समेत कई खेल मैदान आज युवाओं के लिए काफी अवसर देने वाले बन गए हैं। नगर में कांग्रेस की सरकार बनने पर बिना किसी भेदभाव के सभी 48 वार्ड के लोगों को बुनियादी सुविधाओं के साथ साफ-सुथरा वातावरण देने का प्रयास किया जाएगा। कुल मिलाकर साफ-सफाई, पानी, बिजली, सड़क आदि व्यवस्थाएं दुरूस्त करना मेरी प्राथमिकता में होगा। विशेषकर युवाओं के लिए अवसर तैयार करेंगे, जिससे बेरोजगारी की समस्या से जझ रहे शिक्षित बेरोजगारों और प्रशिक्षित युवाओं को उनकी प्रतिभा और क्षमता के अनुसार रोजगार का अवसर पैदा करना प्राथमिकता में रहेगी।

मलकीत सिंह गैंदू

रोचक खबरें

विधानसभा-लोकसभा के बाद अब निकाय चुनाव में अभिषेक को जिम्मा, संभाला मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

विधानसभा और लोकसभा के बाद अब भाजपा को निकाय व त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव में जीत दिलाने के लिए प्रदेश संगठन ने पूर्व सांसद अभिषेक सिंह को राजनांदगांव नगर निगम का चुनाव संचालक बनाया है। पार्टी द्वारा जिम्मेदारी मिलने के बाद से ही पूर्व सांसद अभिषेक सिंह ने राजनांदगांव शहर में मोर्चा संभाल लिया है। नाममांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही अभिषेक शहर के अलग-अलग वार्डों का दौरा कर बैठक ले रहे हैं। इसके साथ ही नाराज कार्यकर्ताओं को मनाने के साथ ही महापौर एवं पार्षद प्रत्याशियों के प्रचार का पूरा रोड-मैप तैयार करने में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। खास बात यह है कि वार्डवार प्रचार अभियान को तैयार किया गया है। भाजपा संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं के अनुसार नगरीय निकाय चुनाव को लेकर प्रत्याशी चयन से लेकर वार्डों में लगने वाले झंडे-बैनर, पोस्टर को लेकर भी हर अपडेट पूर्व सांसद अभिषेक सिंह रोजाना ले रहे हैं।

हर वार्ड में की बैठक

नामांकन के अंतिम दिन भाजपा प्रत्याशियों के फार्म दाखिल होने के बाद पूर्व सांसद ने रणनीति तैयार करने के लिए रात को ही एक बैठक की। इस बैठक में 9 फरवरी तक चलने वाले इस प्रचार अभियान के तहत हर दिन के लिए टास्क तय किया गया। इसके साथ ही अगले दिन 29 जनवरी को शहर के लगभग वार्डों में बैठक आयोजित की गई। जिसमें कार्यकर्ताओं को पार्टी के लिए काम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। वहीं नाराज कार्यकर्ताओं की बातें सुनकर उनकी नाराजगी को दूर करने का काम किया गया।

हर दिन मिल रहा नया टास्क

भाजपा को संगठित दिखाने के लिए प्रचार अभियान को भी उस तरीके से ही तैयार किया गया है। महापौर प्रत्याशी के साथ ही सभी पार्षद प्रत्याशियों को रोज नया टास्क भी दिया जा रहा है। जैसे एक फरवरी को सभी वार्ड में झंडा लगाने को कहा गया था। जिसके बाद 2 फरवरी को एक साथ सभी वार्ड में रैली निकाली गई। ऐसे ही 4 को स्टार प्रचारकों को बुलाया गया था। अब कल छह फरवरी को सीएम की तीन सभाएं आयोजित कराई जा रही है।

निगम मेयर चुनाव में भूपेश की प्रतिष्ठा दांव पर, चार सीटों पर इनकी पसंद के प्रत्याशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में दस सीटों के लिए हो रहे मेयर चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशियों के चयन के लिए पार्टी को काफी मशक्कत कर जीतने की क्षमता रखने वाले प्रत्याशी के नाम तय किए गए हैं। नाम तय होने के बाद अब ये साफ हो रहा है कि किस निगम में मेयर पद के कांग्रेस प्रत्याशी को किस बड़े नेता का समर्थन मिला है। जिन नेताओं की सिफारिश और सुझाव पर टिकट बांटी गई हैं, जाहिर है प्रत्याशी को जिताने की जिम्मेदारी भी उन पर ही होगी। इस लिहाज से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की प्रतिष्ठा सबसे अधिक दांव पर लगी है। सूत्रों के अनुसार दस में से चार प्रत्याशी उनकी पसंद और समर्थन से बनाए गए हैं।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पसंद पर रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव और बिलासपुर के मेयर प्रत्याशी है। हालांकि श्री बघेल की पसंद पर धमतरी निगम का मेयर प्रत्याशी तय किया गया था। लेकिन तकनीकी कारणों से उनका नामांकन निरस्त हो गया है। इस तरह फिलहाल चार निगमों में श्री बघेल के समर्थक उनकी पसंद पर प्रत्याशी बनाए गए हैं।

ये है कांग्रेस के मेयर पद के प्रत्याशी

रायपुर	(सामान्य, महिला)	दीप्ति प्रमोद दुबे
दुर्ग	(ओबीसी, महिला)	प्रेमलता पोषण साहू
राजनांदगांव	(सामान्य, मुक्त)	निखिल द्विवेदी
धमतरी	(सामान्य, मुक्त)	
जगदलपुर (	सामान्य, मुक्त)	मलकीत सिंह गैदू
रायगढ़	(अजा, मुक्त)	जानकी काटजू
कोरबा	(सामान्य, महिला)	उषा तिवारी
बिलासपुर	(ओबीसी, मुक्त)	प्रमोद नायक
अम्बिकापुर	(अजजा, मुक्त)	अजय तिर्की
चिरमिरी	(सामान्य, मुक्त)	विनय जायसवाल

बैज,महंत और टीएस की सिफारिश पर भी टिकट

बताया गया है कि टिकट वितरण की प्रक्रिया में नेताओं के क्षेत्र और उनकी पसंद के प्रत्याशियों का ध्यान रखा गया है। इस हिसाब से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज जो बस्तर क्षेत्र के नेता है, उनकी पसंद से जगदलपुर निगम का प्रत्याशी चुना गया है। इसी क्रम में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के क्षेत्र से चिरमिरी निगम का मेयर प्रत्याशी बनाया गया है। पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंह देव की सिफारिश पर अंबिकापुर निगम का प्रत्याशी तय किया गया है। कोरबा में डॉ. चरणदास महंत की पसंद को तवज्जो दी गई है और रायगढ़ सीट के लिए पूर्व मंत्री उमेश पटेल की सिफारिश को महत्व दिया गया माना जा रहा है।

निगम, पालिका, नगर पंचायत, जिला, जनपद में भी आर्थिक गड़बड़ियां

स्थानीय निकायों में करोड़ों के घपले-घोटाले ग्राम पंचायतों में गबन के सबसे अधिक मामले

छत्तीसगढ़ में इस समय स्थानीय निकायों जैसे नगर निगम, पालिका, जिला पंचायतों से लेकर ग्राम पंचायतों के चुनाव की गहमागहमी है। इस बीच निकायों के प्रतिनिधियों पर घपले-घोटालों के आरोप सियासी तौर पर लगाए जा रहे हैं। लेकिन दूसरी ओर इन्ही निकायों के पिछले पांच साल के कार्यकाल में बड़ी संख्या में गड़बड़ियां ऑडिट रिपोर्ट के रूप में सामने आईं है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

निकायों में विभिन्न प्रकार के घपले-घोटालों के बीच एक गंभीर मामला गबन का माना जाता है। इसका मतलब ये है कि विभिन्न मदों से प्राप्त होने वाली या वसूल की जाने वाली राशि निकाय के खाते में नहीं लाई गई। ऑडिट रिपोर्ट में पाया गया है कि निकायों के कोष से निकाली गई राशि को लेखे(अकाउंट) में नहीं लिया गया। या राशि को देरी से निकाय निधि में जमा किया गया जिससे निकाय को ब्याज में हानि हुई। ऑडिट की भाषा में ये स्थितियां गबन की श्रेणी में आती है। इस तरह के मामले में छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा नियम 1974 के नियम 20 के तहत कार्रवाई की जाती है।

राज्य संपरीक्षा ऑडिट रिपोर्ट में सामने आए मामले, पर वसूली नहीं

इन निकायों में इतने मामले

नगरीय निकायों की सबसे बड़ी इकाई नगर निगम होती है। लेकिन यहां भी गबन के चार दर्जन मामले सामने आए हैं। नगर निगमों में गबन के 48 प्रकरणों में 26 लाख 79 हजार 986 रुपए डूबे। इसी तरह नगर पालिका परिषदों में गबन के 200 मामलों में 64 लाख 15 हजार 745 रुपए का झोल हुआ। नगर पंचायतों में ऐसे मामलों की संख्या 406 रही, जिनमें 1 करोड़ 28 लाख 66 हजार 31 रुपए गबन पकड़ा गया है। पंचायती राज संस्थाओं की सबसे बड़ी और प्रबल इकाई जिला पंचायतों में गबन के तीन मामले सामने आए हैं। इनमें 4 हजार 310 रुपए तथा जनपद पंचायतों के 306 मामलों में 2 करोड़ 10 लाख 83 हजार 431 रुपए का गोलमाल हुआ है।

ग्राम पंचायतों में सबसे अधिक गबन के केस

छत्तीसगढ़ के सभी निकायों जैसे नगर पालिका निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत, जिला पंचायत, जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत में से चुनिंदा निकायों में किए गए ऑडिट की रिपोर्ट अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के बीच किए गए ऑडिट से इसका खुलासा होता है। खास बात ये है कि पंचायत राज व्यवस्था की पहली इकाई ग्राम पंचायतें है। निकायों में सबसे ज्यादा संख्या इन्हीं इकाइयों की है और गबन के मामले में सबसे ज्यादा ग्राम पंचायतों में ही हैं। राज्य में ग्राम पंचायतों के गबन से संबंधित 1168 मामले लंबित है। इन मामलों कुल मिलाकर 6 करोड़ 11 लाख से अधिक की राशि का गोलमाल हुआ है।

वसूली का प्रावधान है, लेकिन नहीं होता पालन

ऑडिट रिपोर्ट में गबन संबंधी आपत्तियों को लेकर निकाय के पदाधिकारियों, सेवकों से वसूली एवं वैधानिक कार्यवाही की प्रावधान है। लेकिन इन नियमों का पालन नहीं किए जाने से अकेले पंचायती राज संस्थाओं में है वर्ष 2022 में 1478 गबन के प्रकरणों में 8 करोड़ 14 लाख 48 हजार 352 रुपयों के मामले निराकरण के लिए बाकी थे। ऑडिट रिपोर्ट में कहा गया है कि यह वित्तीय अनुशासन की दृष्टि से उचित नहीं है। पंचायत राज संस्थाओं में गबन के मामलों के लेकर की गई अनुशंसा में कहा गया है कि पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 89 में हानि, दुरुपयोग, के संबंध में दायित्व निर्धारण एवं वसूली प्रावधानित है। इसके अलावा अधिनियम की धारा 18 में बहिर्गामी सरपंच द्वारा कार्यभार सौंपे जाने की व्यवस्था की गई है।

टुकुन की नजर से...

गांव वाले सरपंच को मानते थे माईं-बाप बड़े-बड़े मामले आपस में ही सुलझा लेते थे

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोदवा गोडान/कवर्धा

उस जमाने में गांव के लोग सरपंच का बहुंत सम्मान किया करते थे। सरपंच को वो अपना माईं-बाप माना करते थे। लगभग 50 साल पहले सन 1970-80 के दशक में पंडरिया विकासखंड के आदिवासी अंचल स्थित ग्राम पंचायत कोदवा गोडान के सरपंच रह चुके 87 वर्षीय राधेलाल तिवारी से हरिभूमि ने उनके दौर की सरपंची और उन दिनों के चुनावी तौर तरीकों को लेकर बातचीत की, तो उन्होंने दिलचस्प बाते बताई। वे आजकल अपने पैतृक निवास स्थान पंडरिया में पुत्र पौत्रों के साथ रह रहे हैं।

अपने अतीत के कालखंड में तत्कालीन व्यवस्था के तहत 12 गांवों को मिलाकर बने ग्राम पंचायत कोदवा गोडान के सरपंच रहे श्री तिवारी बताते हैं कि उस दौर में ग्राम पंचायत का सरपंच एक तरह से अपनी पंचायती रियासत के राजा की तरह होता था। खासकर सुदूर ग्रामीण और वनवासी अंचल में तो सरपंच को सर्वेसर्वा ही माना जाता था। सारे सरकारी महकमे और योजनाएं सरपंच के माध्यम से ही ग्रामीणों तक पहुंचती और संपादित होती थी। पुलिस, वन और राजस्व विभाग के आम जनता से जुड़े अधिकांश कार्य सरपंच के माध्यम से ही बनाए और बिगाड़े जाते थे। उन दिनों बड़े से बड़े मामले गांव स्तर पर ही सुलझा और दबा दिए जाते थे।

झरोखा

प्रायः बिना मतदान के होते थे चुनाव

उन्होंने बताया कि उन दिनों ग्राम पंचायतों में पहले पंच चुने जाते थे और छोटे छोटे कम आबादी के चलते एक गांव से एक पंच हुआ करते थे। पंचों का चुनाव प्रायः गांव की बैठक में ग्रामीणों द्वारा सर्वसम्मति से ही कर लिया जाता था। गांव के होशियार, बड़बोले अथवा संपन्न और सम्मानित व्यक्ति को पंच सरपंच के लिए योग्य माना जाता था। गांव में बड़े बुजुर्गों द्वारा लिए गए निर्णय का विरोध करने को दंडनीय माना जाता था। इसलिए कोई चाहकर भी विरोध नहीं करता था। यही कारण था कि मतदान का अवसर कभी कभी अथवा यदा कदा ही आता था।

जिलों से आया था सिंगल नाम, पैनल बनाकर पीसीसी ने दे दी सभी को चुनाव लड़ने की छूट

त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर प्रत्याशियों को अधिकृत करने के मामले में प्रदेश कांग्रेस कमेटी से राज्य के कई जिला संगठन नाराज हो गए हैं। यही कारण है कि जिला कांग्रेस कमेटियों ने प्रदेश हाईकमान से सूची की अनुशंसा कराए बगैर ही इसे जारी कर दिया है। सूची को लेकर प्रदेशभर के कांग्रेसी खेमे में मचे बवाल के बीच कई नेताओं ने अब बागी होकर चुनाव लड़ने का ऐलान भी कर दिया है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर/राजनांदगांव।

त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव में प्रत्याशियों को अधिकृत करने के मामले को लेकर राज्य के कांग्रेस विधायकों और जिला कांग्रेस कमेटियों के बीच तकरार की स्थिति निर्मित हो गई है। कांग्रेस विधायक जहां अपने समर्थकों को अधिकृत कराने में जुटे रहे। वहीं जिला कांग्रेस कमेटियों ने भी अपने करीबियों को अधिकृत करने में ज्यादा रूचि दिखाई। यही कारण है कि कांग्रेस नेताओं में आक्रोश की स्थिति निर्मित हो गई है। सूत्रों ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पंचायत चुनाव में प्रत्याशी अधिकृत करने के लिए जिला स्तर पर कमेटी का गठन किया था। पीसीसी ने यह साफ तौर पर निर्देश भी दिए थे कि जहां दो से तीन नाम सामने आएंगे, वहां प्रत्याशियों को अधिकृत नहीं किया जाएगा। बताया जाता है कि जिला स्तर की कमेटियों ने तीन-चार दिनों तक माथापच्ची करने के बाद कई सीटों में सिंगल नाम तय कर अनुमोदन के लिए भेज दिया था। बताया जाता है कि दावेदारों को जैसे ही सिंगल नाम भेजे जाने की जानकारी मिली, उन्होंने हाई एप्रोच लगाकर पीसीसी से कई सीटों में नाम बदलवा दिए। वहीं कुछ सीटों में पैनल तैयार कर वहां सभी प्रत्याशियों को मैदान में उतरने की छूट दिला दी गई।

प्रदेश अध्यक्ष से शिकायत

राजनांदगांव जिले के दौरे पर आए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के सामने कांग्रेस के कई नेताओं की शिकवा शिकायते भी की है। बताया जाता है कि नेताओं ने अपने समर्थको के साथ मुलाकात कर यह साफ तौर पर आरोप लगाया कि जहां सिंगल नाम थे वहां भी अधिकृत नहीं किया गया। वहीं पार्टी विरोधी काम करने वाले नेताओ को संगठन ने महत्व दे दिया है।

कई जिलों का कांग्रेस संगठन नाराज, बागी होकर चुनाव लड़ेंगे कई नेता

आरोप-प्रत्यारोप का दौर

जिला पंचायत सदस्य के अधिकृत प्रत्याशियों की घोषणा होने के बाद राज्यभर में कांग्रेस नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी शुरू हो गया है। कई जिलों में लेनदेन कर प्रत्याशी अधिकृत करने का दबाव भी बनाया जा रहा है। कांग्रेस के बड़े नेताओं के बीच निर्मित गुटबाजी का असर अब ग्रामीण सत्ता के लिए हो रहे चुनाव में साफतौर पर दिखाई दे रहा है।

बगावत से होगा नुकसान

पीसीसी द्वारा कई सीटों पर पैनल बनाकर प्रत्याशियों को अधिकृत नहीं किए जाने से कांग्रेस को इस चुनाव में बगावत का भी सामना करना पड़ जाएगा। कई सीटों पर इससे भाजपा को फायदा होने की संभावना जताई जा रही है। राज्य में जिला पंचायत की कई ऐसी सीटें भी है, जहां दो से तीन कांग्रेस नेताओं ने नामांकन दाखिल कर दिया है।

MARUTI SUZUKI

NEXA

HALF THE ROAD TAX. DOUBLE THE INSPIRATION.

Enjoy 50% road tax waiver by the Chhattisgarh Government on all NEXA cars.
Offer valid till 15th February '25 during the Raipur Auto Expo.

CREATE. INSPIRE.

3 years 100 000 km WARRANTY*
EXTENDABLE UPTO 6 YEARS

CONSUMER OFFERS OF UP TO ₹1 90 000#

EXCHANGE BONUS OF UP TO ₹1 00 000#

PER LAKH EMI STARTING FROM ₹1 475#

ADDITIONAL SCRAPPAGE BONUS IS AVAILABLE AGAINST VALID CERTIFICATE OF DEPOSIT.

SCAN TO CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU

FOR MORE DETAILS CONTACT
MR. SHREY SHIKHAR
PH: +91 81308 49972

E-BOOK TODAY @
WWW.NEXAEXPERIENCE.COM

For any bulk purchase enquiries please email to renjith.nair@maruti.co.in

For detailed T&C kindly visit your nearest dealership. Features and accessories shown may not be a part of the standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. Images used are for illustration purposes only. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers and features may vary subject to the model and variant purchased. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 15th February '25. *3 years or 100 000 km whichever is earlier. #8 year funding product as per Bajaj Finance Scheme. Mentioned finance offering may vary basis customer's profile, geography, credit score etc. All loans are at the sole discretion of the financer. Commercial usage vehicle's funding is not covered in the mentioned scheme. As per the directives of State Government. Applicable for Chhattisgarh. RTO waiver offer is valid on all Maruti Suzuki NEXA models during the Raipur Auto Expo 2025.

चिंतन

प्रवासियों को वापस भेजकर क्या दर्शाना चाह रहे ट्रंप

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चुनावी मुद्दे के अनुरूप अमेरिका में अवैध आव्रजन के खिलाफ कार्रवाई जारी है। इस बीच एक अमेरिकी सी-17 सैन्य विमान करीब 200 अवैध प्रवासियों को लेकर बुधवार को टेक्सास से भारत पहुंचा। डोनाल्ड ट्रंप के पिछले महीने राष्ट्रपति पद संभालने के बाद अवैध भारतीय प्रवासियों के खिलाफ वाशिंगटन की यह पहली कार्रवाई है। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच 27 जनवरी को फोन पर हुई विस्तृत चर्चा और मोदी की 13-14 फरवरी की वाशिंगटन यात्रा से पहले उठाया गया है। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान यह मुद्दा छाया रहेगा। क्योंकि इसे केवल शुरुआत माना जा रहा है। अमेरिका की इच्छा वहां अवैध रूप से रह रहे चार लाख से ज्यादा भारतीयों को वापस भेजने की है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी एजेंसियों को अमेरिका में रह रहे अवैध प्रवासियों के खिलाफ एक्शन पर लगा रखा है। इसी क्रम में पहली खेप को भारत भेज दिया है। राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाया है। इससे पहले 27 जनवरी को मोदी से फोन पर हुई बातचीत के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि भारत अवैध प्रवासियों के निर्वासन के मुद्दे पर 'वही करेगा जो सही होगा।' इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा था कि नई दिल्ली अमेरिका सहित विदेशों में 'अवैध रूप से' रह रहे भारतीय नागरिकों की 'वैध वापसी' के लिए तैयार है। अमेरिका की नजर में ऐसे लोग अवैध प्रवासी हैं, जो अमेरिकी वीजा या इमिग्रेशन नियमों का उल्लंघन कर देश में रह रहे हैं। ऐसे प्रवासी आमतौर पर इन कैटेगरी में शामिल किए जाते हैं या फिर ऐसे व्यक्ति जिनके पास कभी अमेरिका में रहने के लिए कानूनी अधिकार था, लेकिन बाद में यह अधिकार खत्म हो गया या फिर उनका लीगल स्टेटस खत्म हो गया, वे भी अवैध प्रवासी माने जाते हैं। अमेरिका की एक एजेंसी के मुताबिक, उनके देश में अल सल्वाडोर के 7.5 लाख, भारत के 7.25 लाख, ग्वाटेमाला के 6.75 लाख और होंडूरास के 5.25 लाख अवैध प्रवासी रहते हैं। अमेरिका में फ्लोरिडा, टेक्सॉस, न्यूयॉर्क, न्यूजर्सी, मैसाच्युएट्स, मैरीलैंड और कैलिफोर्नियां ऐसे शहर हैं, जहां सबसे ज्यादा अवैध प्रवासी रह रहे हैं। भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति अवैध अप्रवासियों को निकाल बाहर करने पर आमादा हों, लेकिन उन्हें यह आभास होना चाहिए कि विदेशी कामगारों के बिना उनका काम नहीं चल सकता। अच्छा होता कि डोनाल्ड ट्रंप थोड़ा उदार रवैया अपनाते और योग्य लोगों को अमेरिका में रहने की छूट देते। इससे भारतीय बड़ी संख्या में लाभान्वित होते, क्योंकि वे अपेक्षाकृत पढ़े-लिखे, अंग्रेजी समझने और कानून का पालन करने वाले होते हैं। ट्रंप प्रशासन को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिका मूलतः अप्रवासियों का देश है और यदि दूसरे देशों के लोग अवैध रूप से वहां आसानी से घुस जाते हैं तो उसकी अपनी खामी से। भारत सरकार को भी अमेरिकी प्रशासन की उस खामी को तो इंगित करना ही चाहिए, जिसके चलते कुछ लोग उत्पीड़न की फर्जी कहानियां सुनाकर वहां शरण पा जाते हैं। इनमें से कुछ तो ऐसे हैं, जो भारत की सुरक्षा के लिए खतरा हैं। भारत को ट्रंप प्रशासन से यह भी कहना चाहिए कि आखिर जब अमेरिका को विदेशी कामगारों की आवश्यकता है तो फिर वह ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं करता कि भारतीय वहां आसानी से जा सकें? भारत सरकार को भी अमेरिका के इस व्यवहार पर तेवर दिखाने की जरूरत है।

टैरिफ वार में भारत के लिए अवसर

अर्थव्यवस्था
डॉ. जयंतीलाल भंडारी

> अमेरिका के व्यापार घाटे में भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 36 अरब डॉलर रही है। अमेरिका को जिन देशों से सबसे ज्यादा व्यापार घाटा होता है उस लिस्ट में भारत 9वें क्रम पर है। गौरतलब है कि ट्रंप भारत की ओर से अमेरिकी प्रोडक्ट पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाने की शिकायत करते हुए भारत पर भी टैरिफ लगाने की धमकी दे चुके हैं। ऐसे में भारत ने भी इस बात को समझा है कि ट्रंप एक हाथ से लेने व दूसरे हाथ से देने में विश्वास करते हैं। अतएव भारत ने ट्रंप के टैरिफ से बचने के लिए देखते ही देखते अपने यहां कुछ अमेरिकी सामान पर टैरिफ कम करना शुरू कर दिया है। भारत-अमेरिका के बीच आर्थिक संबंधों का नया परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है।

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मैक्सिको पर 25 फीसदी और चीन पर 10 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया, वहीं 4 फरवरी को चीन ने पलटवार करते हुए अमेरिका पर 15 फीसदी टैरिफ लगा दिया। इसके साथ ही अमेरिका-चीन के बीच ट्रेड वार का नया दौर शुरू हो गया है। वस्तुतः चीन, मैक्सिको और कनाडा से अमेरिका को सबसे ज्यादा व्यापार घाटे का सामना करना पड़ता है। ये तीनों देश अमेरिका के लगभग 670 अरब डॉलर व्यापार घाटे के लिए जिम्मेदार हैं। वर्ष 2023 में अमेरिका को चीन से 317 अरब डॉलर, मैक्सिको से 200 अरब डॉलर और कनाडा से 153 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हुआ था। जबकि अमेरिका के व्यापार घाटे में भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 36 अरब डॉलर रही है। अमेरिका को जिन देशों से सबसे ज्यादा व्यापार घाटा होता है उस लिस्ट में भारत 9वें क्रम पर है।

गौरतलब है कि ट्रंप भारत की ओर से अमेरिकी प्रोडक्ट पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाने की शिकायत करते हुए भारत पर भी टैरिफ लगाने की धमकी दे चुके हैं। ऐसे में भारत ने भी इस बात को समझा है कि ट्रंप एक हाथ से लेने व दूसरे हाथ से देने में विश्वास करते हैं। अतएव भारत ने ट्रंप के टैरिफ से बचने के लिए देखते ही देखते अपने यहां कुछ अमेरिकी सामान पर टैरिफ कम करना शुरू कर दिया है। एक फरवरी को पेश वर्ष 2025-26 के बजट में भारत ने अमेरिका से आने वाली वस्तुओं जैसे 1600 सीसी से कम इंजन की मोटरसाइकिल, सैटेलाइट के लिए ग्राउंड इंस्टॉलेशन और सिंथेटिक फ्लेवरिंग एसेंस जैसे कुछ सामानों पर शुल्क घटा दिए हैं। भारत ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि वह ट्रंप प्रशासन से शुल्कों के रूप में मिलने वाली किसी चुनौती को टालने के लिए सीमा शुल्कों में एकतरफा कमी करने के लिए तैयार है। यह उल्लेखनीय है कि विगत 27 जनवरी को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात करके उनके ऐतिहासिक दूसरे कार्यकाल के लिए बधाई देते हुए भारत-अमेरिका के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश, ऊर्जा और रक्षा के क्षेत्र में व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ने के उपायों पर सार्थक चर्चा की है। इसके बाद भारत-अमेरिका के बीच आर्थिक संबंधों का नया परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है।

यह भी बात महत्वपूर्ण है कि जहां इसी माह फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका जाएंगे, वहीं क्वाड के शिखर सम्मेलन में इसी वर्ष 2025 में राष्ट्रपति ट्रंप के भारत आने की संभावनाएं हैं और इससे अमेरिका के साथ भारत के कारोबारी संबंध भी और व्यापक होंगे। यहां यह उल्लेखनीय है कि ट्रंप के नए कार्यकाल के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों ने अनुमान जताया है कि अमेरिका के नए राष्ट्रपति ट्रंप से चीन को भारी नुकसान हो सकता है और भारत समेत आसियान देशों को फायदा होगा। वैश्विक अर्थ विशेषज्ञों का यह भी मत है कि भारत और अमेरिका के बीच लगातार बढ़ता हुआ व्यापार ट्रंप के नए कार्यकाल में और बढ़ना संभावित है। वित्त वर्ष 2023-24 में करीब 120 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। वर्ष 2024 में जनवरी से जून के बीच अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बनने के साथ-साथ भारत के लिए अमेरिका निर्यात के लिए सबसे बड़े बाजार सबसे प्रमुख निर्यात के रूप में

रेखांकित हो रहा है। पिछले वर्ष भी अमेरिका के साथ व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में रहा है और यह अधिशेष 35.3 अरब डॉलर स्तर पर है। विकासशील देशों की अनुसंधान एवं सूचना प्रणाली (आरआईएस) सहित अन्य नई अध्ययन रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि ट्रंप के नए कार्यकाल में भारत के लिए चुनौतियों के बीच मौके दिखाई दे रहे हैं। ट्रंप के पहले शासन काल में भारत चीन के खिलाफ सख्ती का फायदा नहीं उठा सका था। ऐसे में ट्रंप द्वारा अमेरिकी प्रशासन की बागडोर संभालने के बाद भारत ने बहुआयामी रणनीति पर आगे बढ़ना शुरू कर दिया है, जिससे एक ओर अमेरिका में निर्यात बढ़ सके, वहीं दूसरी ओर वैश्विक निर्यात में भी तेज बढ़त मिल सके। निश्चित रूप से भारत के द्वारा अमेरिका के व्यापक हित में कुछ उत्पादों से शुल्क घटाए जाने से भारत को अमेरिका में निर्यात के अधिक मौके प्राप्त होंगे। भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गारसेटी ने कहा है कि ट्रंप के आगमन से भारत और अमेरिका के आर्थिक रिश्ते और अधिक मजबूत होंगे। ऐसे में ट्रंप की आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत के लिए आर्थिक मौके उभर कर दिखाई दे रहे हैं। खासतौर पर ट्रंप ने भारतीयों को बड़ी राहत का ऐलान करते हुए कहा कि एच-1बी वीजा बंद नहीं होगा, क्योंकि इस समय अमेरिका को अच्छे प्रोफेशनल्स की जरूरत है। निःसंदेह ट्रंप का रुख और ट्रंप की नीति से भारत के लिए अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने और अमेरिका के सहयोग से भारत को चीन प्लस वन के रूप में दुनिया वैश्विक व्यापार में तेजी से उभरने का मौका भी मिल सकता है। चीन में मैन्यूफैक्चरिंग करने वाली कई विदेशी कंपनियां भी भारत का रुख कर सकती हैं। भारत को अब तक चीन प्लस वन रणनीति अपनाने में अब तक सीमित फायदा ही मिला है। ट्रंप के नए कार्यकाल में यह फायदा बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगा। शुरुआत में ही भारत-अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देकर लागू किए जाने की संभावना है। इससे भारत-अमेरिका व्यापार बढ़ेगा। भारत अमेरिका में निर्यात बढ़ाते हुए वैश्विक आपूर्तिकर्ता देश के रूप में भी आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे सकेगा। इन सबके साथ-साथ मोदी और ट्रंप के बीच हाउडी मोदी से नमस्ते ट्रंप तक के मित्रता के बहुआयामी अध्याय भारत-अमेरिका व्यापार को बढ़ाने में मददगार होंगे। इसमें कोई दो मत नहीं है कि जिन क्षेत्रों में चीन अमेरिका को प्रमुखता से निर्यात करता है, उनमे से कई क्षेत्रों में भारत अपना निर्यात सरलता से बढ़ा सकता है। इन क्षेत्रों में इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल उपकरण, मोबाइल फोन, फुटवीयर, टेक्सटाइल और गार्मेंट्स, फर्नीचर और घर के सजावटी सामान, वाहनों के कल पुर्जे, खिलौने और रसायन आदि शामिल हैं। इस परिप्रेक्ष्य में भारतीय निर्यातकों को अमेरिका बाजार में पहुंच बढ़ाने के लिए वर्ष 2025-26 के बजट में एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन अहम भूमिका निभाएगा। इस मिशन और मार्केटिंग प्रोत्साहन से निर्यातकों को अमेरिका के विभिन्न भागों में आयोजित प्रदर्शनियों में शामिल होने और अमेरिका में निर्यात योग्य नए उभरते क्षेत्रों की संभावनाओं का दोहन करने में मदद मिलेगी।

इस समय जब डोनॉल्ड ट्रंप अपने नए कार्यकाल में अमेरिका को नए सिरे से गढ़ने के लिए चीन, कनाडा व मैक्सिको पर शुल्क लगाने की घोषणा के साथ आगे बढ़े हैं और भारत ने ट्रंप के टैरिफ वार को समझते हुए अमेरिका के व्यापक हित वाले उत्पादों पर शुल्क में उपयुक्त कमी की रणनीति अपनाना शुरू की है, वह भारत के लिए लाभप्रद होगी। ऐसे में अमेरिका को अधिक निर्यात बढ़ाने और चीन प्लस वन के मद्देनजर वैश्विक स्तर पर अधिक निर्यात के मौके भारत की मुट्ठी में आते हुए दिखाई दे सकेंगे। हम उम्मीद करें कि ट्रंप के द्वारा जो नई आर्थिक इबारत लिखी जा रही है, उससे भारत-अमेरिका के आर्थिक रिश्तों का नया दौर आगे बढ़ेगा।

(लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

मंथन
विकेश कुमार बडोला

आध्यात्मिक जीवंतता का वाहक महाकुंभ

कुंभ का शब्दार्थ है घड़ा अर्थात कलश। कुंभ का जीवनार्थ है- काया व मन को पंचतत्त्वों के प्रत्यक्ष स्पर्श में लाकर आत्मसाधना की ओर अग्रसर होना। कुंभावधि में जल नामक तत्त्व गंगा, यमुना व सरस्वती के संगम पर अमृतोन्मुखी हो उठता है। कुंभ के वृहद् स्वरूप महाकुंभ में जलतत्त्व के अमृत संपर्क में आकर आत्ममुखी होने का अवसर है महाकुंभी आयोजन। गत तेरह जनवरी से प्रारंभ हुई यह आस्थायात्रा 26 फरवरी 2025 तक चलेगी। अट्ठारह पुराणों से होते हुए चार वेदों तथा असंबद्ध रूप में 108 व मुख्यतः 13 उपनिषदों में समाहित (पंचांग- तिथि, वार, नक्षत्र, योग तथा करण; पंचतत्त्व- नभ, पृथ्वी, वायु, जल तथा अग्नि) संस्थिति द्वारा शुभाशुभ समय के निर्धारण के उपरांत नियत महाकुंभ आयोजन की पौराणिक कथा मूलतः विष्णु पुराण में पुरोल्लिखित हुई थी। इसके अनुसार, महर्षि दुर्वासा के श्राप द्वारा स्वर्ग ऐश्वर्य, धन, वैभव, इत्यादि से रहित हो गया था। फलतः इन्द्रादि देवता शक्तिहीन हो गये। सहायतार्थ देवताओं ने भगवान विष्णु की शरणागति की। भगवान ने उन्हें असुरों के साथ मिलकर समुद्र मंथन का उपाय बताया। मंथन से अमृत प्राप्त होगा, जिसका पान करके वे सभी अमर हो जाएंगे। असुर राजा बलि को देवताओं ने यह युक्ति बताई। वह भी अमरत्व के लोभवश समुद्र मंथन हेतु तैयार हो गया। देवासुरों ने वासुकि नाग की रस्सी बनाकर मंदराचल पर्वत की सहायता से सागर मथना प्रारंभ किया। परिणामस्वरूप एक-एक कर 14 रत्न निकले। इसी अमृत का पान करने दानव परस्पर छल-बल करने लगे। इस पारस्परिक संघर्ष में वे अमृतकुंभ लेकर यहां-वहां दौड़े। दौड़ाभागी में कुंभ से अमृत की बूंदें छलककर प्रयागराज, नासिक, उज्जैन एवं हरिद्वार में गिर पड़ीं। जिस क्रम में वे जहां गिरीं, वहीं उस स्थान पर समयक्रमानुसार छह वर्ष में अर्द्धकुंभ एवं बारह वर्षों में एक बार कुंभ का आयोजन होता है। तत्कालीन देवासुरों के विशाल अस्तित्व के अनुरूप सृजित अमृत की बूंदें आज के युग के मानवों हेतु नदी के समान ही हैं। प्रायः 12 वर्ष के समयचक्र में होने वाले कुंभ की समयावधि में बृहस्पति, सूर्य व चंद्रमा एक साथ एक दिशा एक स्थिति में विद्यमान होते हैं, किंतु बृहस्पति जब मकर राशि में तथा सूर्य व चंद्रमा अन्य शुभ स्थानों पर विराजित होते हैं, तब महाकुंभ का धरायण होता है। खगोलीय एवं ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार 12 कुंभ घटियों के बाद 144 वर्ष का योग बनता है। इस बार यही संयोग है। कुंभ के पौराणिक, प्राकृतिक, आध्यात्मिक और दार्शनिक अर्थ असीमित हैं। इन अर्थों को व्यक्तिगत योग चेतना के माध्यम से ही अनुभव किया जा सकता है। कुंभ का मर्म पापमुक्ति एवं मोक्षप्राप्ति से भी गहन है। यदि व्यक्ति के अंदर प्राकृतिक उत्सव में संचित होकर जीवन के प्रति अंतर्दृष्टि खोलने की उत्कट इच्छा है तो उसके लिए महाकुंभ सर्वोत्तम अवसर है। प्रकृति के पंचतत्त्वों में से एक है नीर। प्रत्यक्ष दिखाई देतीं नीरवाहिनी नदियां गंगा, यमुना व अदृश्य रूप में विद्यमान सरस्वती के संगम स्थल के प्रति आस्था, कृतज्ञता एवं सम्मान प्रदर्शित करने का विशाल, भव्य व अद्भुत सम्मेलन संसार में कहां है! इस पावन समय में यह स्थल अलौकिक शोभा एवं सौंदर्य के साथ चमत्कृत है। इस शुभघड़ी में तीनों सरिताओं के अमृतमय नीर द्वारा क्षयमान शरीर को चेतना प्रदान कर, मंगल स्नान कर और निज क्षमता से ध्यान धर कर व्यक्ति के मन में मौन होने, आध्यात्मिक होने का जो विचारबल प्रस्फुटित होता है, वास्तव में वही महाकुंभ का वास्तविक प्रसाद है। महाकुंभ का आस्थावान अंग केवल इसलिए नहीं बनना है कि काया संगम में डुबकी लगाएगी और व्यक्ति का लोक-परलोक सुधर जाएगा, बल्कि आवश्यकता कुंभगत प्राकृतिक प्रभाव को आत्मसात करने की है, ताकि जीवन-मृत्यु के मध्य घूर्णन करते मानवीय अस्तित्व के अंतिम शीर्ष लक्ष्य की ओर उन्मुख होने का आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त हो। मनुष्य का जीवन केवल भौतिक संघर्ष द्वारा ही परास्त नहीं होता। यह वैचारिक एवं मानसिक संघर्ष द्वारा भी अधि सीमा तक दुष्प्रभावित होता है। इन दोनों ही संघर्षों में आत्मबल वृहद् सहायक भूमिका में होता है। अध्यात्म की श्रेष्ठ उपलब्धियां जिन माध्यमों से साकार होती हैं, महाकुंभ की पारंपरिक उत्सवधर्मिता उनमें सर्वश्रेष्ठ है। साधु-संतों, ऋषियों-मुनियों की अंतर्दृष्टि में महाकुंभ त्याग, तपस्या, साधना, ध्यान, भक्ति, आस्था, प्रकृति के प्रति गहन समर्पण, लोक-समाज के लिए व्यक्तिगत क्षमता के अनुसार दायित्व भावना के उदय तथा अंततः जीवन-मृत्यु के अबूझ कालचक्र से स्थायी मुक्ति प्राप्त करने का आध्यात्मिक उपाय है। कुंभ एक गहन आध्यात्मिक विस्तार है। महाकुंभ का मर्म अत्यंत वृहद् है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुंह के मौन से ज़्यादा ज़रूरी 'मन का मौन'

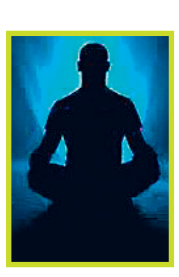

संकलित
दर्शन

हम सभी मनुष्य जन्मते ही अपना मुख चलाना शुरू कर देते हैं, जिसका प्रमाण है जन्म लेते ही शिशु का रोना। बोलना हमारी स्वाभाविक क्रिया है, जो हमें करनी ही पड़ती है। यह बात और है कि कभी-कभी बाहर के शोर में हम इतने खो जाते हैं कि ईश्वर का स्वर हमें सुनाई ही नहीं पड़ता। इसीलिए ही महापुरुषों से हमें एक उत्तम राय मिलती है कि सप्ताह में या माह में एक दिन अवश्य मौन रहें, परंतु हम मुख को तो बंद कर लेते हैं, परंतु हमारे मन का बोलना बंद नहीं हो पाता। इसलिए ही तो अधिकतर डाक्टर सभी मरीजों को कहते हैं कि 'अपने मन को ज्यादा नहीं चलाओ।' अर्थात 'मन का मौन' करो। कहते हैं कि बिना हड्डी की जीभ जब बोलने लगती है, तो कइयों की हड्डियां तोड़ देती है। इसीलिए तो हमें यह बचपन से सिखाया जाता है कि पहले सोचो फिर बोलो, क्योंकि जैसे कमान से निकला हुआ तीर वापस नहीं आता, ठीक उसी तरह मुख से निकला हुआ वचन भी वापस नहीं लिया जा सकता। इसका सबसे श्रेष्ठ उदहारण है महाभारत की कथा, जिससे हमें यह सीख मिलती है कि कैसे एक जुबान के फिसलने से संकटकाल का निर्माण हो गया। इसीलिए 'कम बोलें-धीरे बोलें-मीठा बोलें।' हम जब भी कुछ बोलें तो हमारे वचन दूसरों के लिए सुखदायी हों, न कि कांटा चुभाने वाले दुखदायी। संसार में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्होंने कटु वचन बोलने के संस्कार के कारण अपने संबंधों में खटास पैदा कर ली है। इसलिए हमें सदैव सही समय और सही जगह पर सही शब्द का प्रयोग करना चाहिए।

मन का भोजन हमारे विचार हैं

संकलित
प्रेरणा

एक दिन गौतम बुद्ध अपने शिष्यों और अन्य लोगों को उपदेश दे रहे थे। सत्संग में काफी लोग बैठे हुए थे। भीड़ में से एक व्यक्ति उठा और उसने बुद्ध से पूछा कि तथागत मैं जब ध्यान करने बैठता हूं तो मेरा मन ध्यान में नहीं लग पाता है। कृपया बताइए, मैं ध्यान कैसे कर सकता हूं? बुद्ध के साथ ही सत्संग में बैठे हुए लोगों ने भी ये प्रश्न सुना, लेकिन बुद्ध ने उस व्यक्ति से कहा कि कृपया फिर से अपनी बात कहें। उस व्यक्ति ने फिर से कहा कि मेरा मन ध्यान में नहीं लगता है, मैं ध्यान कैसे कर सकता हूं? बुद्ध ने कहा कि एक बार और अपनी बात कहें। उस व्यक्ति ने एक बार और अपनी बात कह दी। बुद्ध ने कहा कि हमारे विचार मन के लिए भोजन हैं। जब तक मन को विचारों का भोजन मिलता रहेगा, हम ध्यान नहीं कर सकते हैं। जब हम ध्यान करने बैठे, तब मन को विचारों का भोजन नहीं देना चाहिए, यानी सोच-विचार करना बंद कर देना चाहिए। तब ही हम ध्यान कर पाएंगे। जब मन विचारों से खाली हो जाएगा, तब ही हम ध्यान कर पाएंगे। बुद्ध ने उस व्यक्ति से ध्यान के बारे में प्रश्न तीन बार पूछा था और बुद्ध ने भी तीन बार इस प्रश्न का उत्तर दिया। बुद्ध ने तीन बार उत्तर दिया तो लोगों ने पूछा कि आपने इस व्यक्ति से तीन बार प्रश्न पूछा और उत्तर भी तीन बार ही दिया, ऐसा क्यों? बुद्ध ने लोगों को समझाया कि मैं इन सज्जन से तीन बार प्रश्न पूछा, क्योंकि मैं प्रश्न के लिए इनकी गंभीरता को परखना चाहता था। जब मुझे लगा कि ये अपने प्रश्न के लिए गंभीर हैं, तब मैंने उत्तर भी तीन बार दिया, ताकि मेरी बात इन्हें अच्छी तरह समझ आ जाए।

अंतर्मन

आज की पाती

आवारा मवेशियों की समस्या का हल जरूरी

देशभर में आवारा मवेशियों की समस्या दिनोंदिन विकराल होती जा रही है। जहां एक ओर आवारा मवेशी सड़क हादसों का सबब बन रहे हैं, तो दूसरी ओर फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। आज शहर हो या गांव, आवारा मवेशियों के आतंक से कोई अछूता नहीं हैं। इनके सर्वत्र घूमने से आमजन का अपने घर से बाहर निकलना दूभर हो रहा है। सड़क हादसों में होने वाली मौतों का एक बड़ा कारण आवारा मवेशी भी हैं, जो यातायात व्यवस्था को तो बाधित करते ही हैं साथ ही उनके अचानक बीच सड़क पर आ धमकने से सड़क हादसे भी अंजाम लेते हैं। ऐसे में सवाल है कि आखिर कैसे घूम रहे हैं आवारा मवेशी और कौन है इनका असली मालिक? साथ ही इनसे होने वाले नुकसान के लिए कौन जिम्मेदार है।

- राकेश यादव, बिलासपुर

ट्रेंड

पवित्र संगम में स्नान

प्रयागराज महाकुंभ में आज पवित्र संगम में स्नान के बाद पूजा-अर्चना का परम सौभाग्य मिला। मां गंगा का आशीर्वाद पाकर मन को असीम शांति और संतोष मिला है। उनसे समस्त देशवासियों की सुख-समृद्धि, आरोग्य और कल्याण की कामना की। हर-हर गंगे!

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

उपचुनाव में फर्जी वोट

मिल्कीपुर उपचुनाव में राय पट्टी अमानीगंज में फर्जी वोट डालने की बात अपने मुँह से कहने वाले ने साफ़ कर दिया है कि भाजपा सरकार में अधिकारी किस तरह से धांधली में लिप्त है। कोई सबूत चाहिए क्या?

-अखिलेश यादव, सपा सांसद

'मंगल सेवा' का संकल्प

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि मेरा बेटा जीत और बहू दिवा अपने वैवाहिक जीवन की शुरुआत एक पुण्य संकल्प से कर रहे हैं। दोनों ने प्रति वर्ष 500 दिव्यांग बहनों के विवाह में प्रत्येक बहन के लिए 10 लाख का आर्थिक सहयोग कर 'मंगल सेवा' का संकल्प लिया है।

-गौतम अदाणी, उद्योगपति

जीवन की तरह है व्यवसाय

व्यवसाय, जीवन की तरह, विश्वास, साझेदारी और जोखिम लेने की भूख पर चलता है। शोले सिर्फ एक फिल्म नहीं, यह दोस्ती, साहस और सभी बाधाओं के खिलाफ लड़ने का एक सबक है।

-अनिल अग्रवाल, उद्यमी

करंट अफेयर

सुपरसोनिक विमानों की हो सकती है वापसी

पिछले सप्ताह के अंत में, अमेरिकी कंपनी बूम सुपरसोनिक ने अपने एक्सबी-1 सुपरसोनिक डेमोन्स्ट्रेटर विमान के साथ ध्वनि की गति से भी तेज उड़ान भरी। यह अब पहला पायलट वाला गैर-सैन्य विमान है जिसने 2003 में कॉनकॉर्ड के सेवा से हटने के बाद से ध्वनि अवरोध को तोड़ा है। यह बूम के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की दिशा में पहला कदम है, जिसके तहत 2029 तक सुपरसोनिक एयरलाइनर यात्रियों को ले जा सकेंगे। लेकिन सुपरसोनिक यात्रा वास्तव में क्या है? प्रचार के बावजूद इसके अधिक प्रचलित न होने के कुछ कारण हैं। सुपरसोनिक उड़ान क्या है? 'मैक' संख्या को विमान की गति को ध्वनि तरंगों की गति से विभाजित करके परिभाषित किया जाता है। 'ध्वनि अवरोध को तोड़ने' का अर्थ है ध्वनि की गति से तेजउड़ान भरना, जिसमें मैक संख्या 1 से अधिक हो। मैक संख्या एक महत्वपूर्ण अनुपात है: जब विमान उड़ता है, तो यह अपने सामने की हवा को चीरता है। ये विक्षोभ ध्वनि की गति से चलते हैं। सुपरसोनिक उड़ान में ये विक्षोभ मिलकर यान के चारों ओर 'शॉक वेव' बनाती हैं। जब लोग कहते हैं कि आप लड़ाकू विमान की आवाज सुनने से पहले उसे देख सकते हैं, तो वे सुपरसोनिक उड़ान का उल्लेख कर रहे होते हैं: लड़ाकू विमान लगभग मैक 2 की गति से यात्रा कर सकते हैं।

ऑफ बीट

जलवायु से प्रभावित उत्पाद पृथ्वी पर हमेशा बने रहेंगे

जलवायु से प्रभावित उत्पाद अपूर्ण खाद्य पदार्थ जैसा दिखता है क्योंकि यह अक्सर छोटा, विकृत या सतही रूप से अपूर्ण होता है। अपूर्ण उत्पाद को ऐसे उत्पाद के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो दिखने में बाजार के मानकों पर खरा नहीं उतरता। जलवायु से प्रभावित उपज का स्वाद और बनावट काफी भिन्न हो सकती है। सूखे के प्रभाव के कारण सेब अधिक मीठे और दानेदार हो सकते हैं, मिर्च अधिक तीखी और प्याज अधिक तीखे हो सकते हैं। हल्के या मध्यम सूखे के मामले में, ऐसी उपज खाने योग्य होती है। हाल के हमारे शोध से कुछ असहज बातों का पता चलता है। कई उपभोक्ता जलवायु प्रभावित उत्पादों से पूरी तरह बचना पसंद करते हैं और जब कीमत एक कारक है, तो वे छूट के बिना इसे नहीं चुनेंगे। लेकिन हमारा शोध यह भी सुझाव देता है कि किस तरह से ऐसी उपज की खरीद को प्रोत्साहित किया जा सकता है। हमने ताजा फल और सब्जियां खरीदने वाले उपभोक्ताओं के साथ दो अलग-अलग विकल्पों का इस्तेमाल किया। एक नमूना ऑस्ट्रेलियाई छात्रों से लिया गया, जबकि दूसरा व्यापक ऑस्ट्रेलियाई आबादी के सदस्यों से लिया गया। प्रतिभागियों को सेब के आठ अलग-अलग विकल्प दिखाए गए, जिन्हें मिठास और आकार समेत विभिन्न विशेषताओं के साथ वर्णित किया गया था।

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

फैसला मध्य प्रदेश में डॉ.मोहन यादव सरकार का ऐतिहासिक फैसला

धार्मिक महत्व के 17 शहरों में शराबबंदी से श्रद्धालुओं को मिली राहत भरी खुशी

मध्यप्रदेश में डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने बड़ा और ऐतिहासिक निर्णय लिया है। इस निर्णय से पूरे प्रदेश में खुशी का माहौल है। वजह ये है कि यहां प्रदेश के 17 शहरों में शराबबंदी की गई है। ये वो शहर या नगर हैं जहां राज्य के बड़े धार्मिक स्थल है। इन धर्मस्थलों पर देश और विदेश के लोग आते हैं। ऐसे में जरूरी है कि यहां पवित्रता बनी रहे और सात्विक वातावरण निर्मित बना रहे। श्रद्धालु लंबे समय से शराबबंदी की प्रतीक्षारत थे। अब वे खुश हैं।

भोपाल

डॉ.मोहन यादव सरकार ने श्रद्धालुओं की भावना को समझा और एक झटके में शराबबंदी का निर्णय ले लिया। इस ऐतिहासिक निर्णय को देखकर दूसरे राज्यों में भी उदाहरण दिया जाने लगा है। आने वाले समय में यदि अन्य राज्यों में भी धार्मिक स्थलों पर शराब को प्रतिबंधित कर दिया जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। क्योंकि मध्यप्रदेश का यह निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर सराहा जा रहा है। बता दें कि शराब का सेवन करने वालें उग्र हो जाते थे और कई बार झगड़े की नौबत आ जाती थी।

ऐसे में धार्मिक भावना लेकर आने वाले लोगों में नकारात्मक भावना आती थी। मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। कैबिनेट ने 17 धार्मिक नगरों में शराबबंदी लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत एक अप्रैल से अब प्रदेश के 17 धार्मिक नगरों में शराब नहीं बिकेगी और दुकानें बंद हो जाएंगी। कैबिनेट के फैसले की जानकारी देते हुए सीएम डॉ. मोहन यादव का कहना है कि जो दुकानें बंद की जाएंगी, उन दुकानों को कहीं और शिफ्ट नहीं किया जाएगा। ये पूर्णतः बंद होंगी। प्रदेश के इन शहरों के धार्मिक महत्व को देखते हुए ये फैसला लिया गया है। शहरों के अलावा नर्मदा नदी के दोनों किनारों के पांच-पांच किमी दायरे तक शराब दुकान नहीं रहेंगी।

उज्जैन में पूर्णतः शराबबंदी

महाकाल ज्योतिर्लिंग होने के कारण उज्जैन को शराब से मुक्त किया जा रहा है। यहां की सभी दुकानें बंद की जाएंगी अर्थात उज्जैन नगर निगम का दायरा शराब से मुक्त रहेगा। इसके अलावा अलग-अलग नगर पालिकाएं, नगर परिषदें भी पूरी तरह से शराब मुक्त की गई हैं।

इन धार्मिक स्थानों पर होगी शराबबंदी

- मंडला, नगर पालिका
- मुलताई, नगर पालिका
- मंदसौर, नगर पालिका
- अमरकंटक, नगर पालिका
- सलकनपुर, ग्राम परिषद
- बरमानकलां, लिंगा और बरमानखुर्द ग्राम परिषद
- कुंडलपुर, ग्राम परिषद
- बांदकपुर, ग्राम परिषद
- उज्जैन, नगर निगम
- ओंकारेश्वर, नगर परिषद
- महेश्वर, नगर परिषद
- मण्डलेश्वर, नगर परिषद
- ओरछा, नगर परिषद
- मैहर, नगर पालिका
- चित्रकूट, नगर परिषद
- दतिया, नगर पालिका
- पन्ना, नगर पालिका

दतिया-पन्ना-अमरकंटक में पूरी तरह बैन

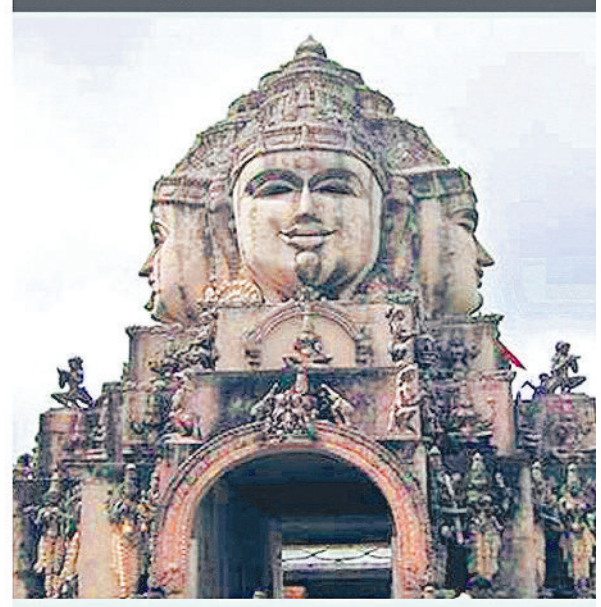

अन्य बड़े प्रदेश के शहर जहां पर धार्मिक कारणों से शराबबंदी लागू की गई है, उनमें दतिया एक मुख्य शहर है। सीएम डॉ.मोहन यादव का कहना है कि पीतांबरा पीठ होने की वजह से यहां शराबबंदी की गई है। वहीं अमरकंटक नर्मदा का उद्गम स्थल है। इस वजह से यहां शराब प्रतिबंधित रहेगी। मंदसौर में पशुपतिनाथ का मंदिर है। यहां के लोग लंबे समय से शराब बंदी की मांग भी कर रहे थे। मैहर में माता शारदा विराजित हैं। इसके अलावा पन्ना में भी शराब पर रोक लगाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कहना है कि मध्यप्रदेश शराबबंदी की दिशा में कदम आगे बढ़ा रहा है। समय के साथ मध्यप्रदेश में भी पूर्ण शराबबंदी होगी। पर इसमें वक्त लगेगा। मुख्यमंत्री का कहना है कि राज्य धीरे-धीरे शराबबंदी की तरफ बढ़े, इस क्रम में आज एक नीतिगत निर्णय हुआ है। पहले चरण में 17 धार्मिक नगरों को चुना गया है। इनमें नगर पालिका, नगर परिषद और नगर पंचायत क्षेत्र शामिल हैं। इन दुकानों को दूसरी जगह शिफ्ट भी नहीं किया जाएगा। यह निर्णय हमेशा के लिए किया गया है।

क्या कहते हैं धर्म शास्त्र

हिन्दू धर्म के विभिन्न ग्रंथों में मद्यपान के प्रति विभिन्न दृष्टिकोण प्रस्तुत किए गए हैं। धर्मशास्त्रों में मद्यपान को अधार्मिक माना गया है। मद्यपान वर्जित था। यह माना जाता था कि मद्यपान से आत्मा की शुद्धि नष्ट होती है और यह अधर्म का कार्य है। शिव पुराण और अन्य पुराणों में भी मद्यपान को नकारात्मक दृष्टि से देखा गया है। शिव पुराण में उल्लेख है कि मद्यपान करने वालो को स्वर्ग नहीं मिलता और उन्हें विभिन्न प्रकार की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी प्रकार, विष्णु पुराण में भी मद्यपान को पाप माना गया है। हालांकि, धार्मिक और सांस्कृतिक मान्यताएँ अभी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और कई लोग अभी भी धार्मिक कारणों से मद्यपान से बचते हैं।

राहत दी है: पवित्र नगरी में दिखने वाली शराब की दुकान आंखों में चुभती थी,अब ये चुभन खत्म होगी

मध्यप्रदेश की डॉ.मोहन यादव की सरकार ने राज्य के 17 धार्मिक महत्व के शहरों में शराबबंदी कर दी है। इस निर्णय से महिलाओं में बेहद खुशी का माहौल है। तमाम धार्मिक स्थलों पर आने वाली महिलाओं का कहना है कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का यह फैसला स्वागत योग्य है। हम सभी उनका आभार व्यक्त करते हैं कि उन्होंने इतना बड़ा ऐतिहासिक फैसला किया है। कई बार जब किसी धार्मिक शहर में जाते थे वहां शराब की दुकान देखकर लगता है था कि इतनी पवित्र नगरी है फिर यहां शराब क्यों बिक रही है। यहां पूरी तरह सात्विक माहौल है लोग सुरक्षित दर्शन कर रहे हैं। भोपाल में स्वच्छता अभियान से जुड़ी अंजीता का कहना है कि कानूनी व्यवस्था भी अच्छी है और पुलिस की तैनाती हमेशा दिखाई देती है। ऐसे में शराब की दुकान आंखों में चुभती थी और लगता था कि इसे हटना चाहिए। देर से ही सही पर जो भी निर्णय डॉ. मोहन यादव ने किया है वो बहुत ही बेहतर है। अब जब भी कोई धार्मिक और पवित्र शहर में जाएंगे तो कम से कम इस तरह से शराब की दुकानें दिखाई नहीं देंगी। बता दें कि राज्य के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव जनता की भावनाओं को समझकर ही उनके अनुरुप निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। इससे पहले भी चाहे गौ सेवा हो या फिर धार्मिक आयोजन और धार्मिक स्थलों के विकास का काम हो उसमें वे गहरी रुचि लेते हैं। यही कारण है कि बीते एक साल में धर्म से जुड़े कई ऐसे काम हुए है जो श्रद्धालुओं के लिए राहत भरे निर्णय काफी सराहनीय है।

शराबबंदी से खुशी इतनी कि केसरिया दूध बांटकर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव को दे रहे हैं धन्यवाद

हाल ही में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के 17 शहरों में शराबबंदी की घोषणा की है। प्रदेश की जनता सरकार के इस कदम की जमकर तारीफ कर रही है। धार्मिक शहर उज्जैन में भी शराबबंदी को लेकर तीर्थ पुरोहितों ने सीएम को धन्यवाद देने के लिए केसरिया दूध वितरित किया। हाल ही में रामघाट के तीर्थ पुरोहितों ने कहा कि उज्जैन सहित धार्मिक नगरों में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शराबबंदी का फैसला लेकर बहुत अच्छा सन्देश दिया है। पं. अमृतेश त्रिवेदी व पं. वेदांत व्यास ने बताया कि धार्मिक नगरी उज्जैन सहित प्रदेश के अन्य धार्मिक नगरों में शराबबंदी का फैसला स्वागत योग्य है। तीर्थ नगरी में आने वाले श्रद्धालु शहर की अच्छी छवि लेकर जाएंगे। इसी को लेकर श्री रामघाट तीर्थ पुरोहित सभा अवंतिकापुरी व ब्राह्मण समाज तीर्थ इकाई द्वारा रामघाट पर आने वाले श्रद्धालुओं को केसरिया दूध वितरित किया।

D-16090/24

बिजनेस साइट

हर्षित अरबन सिटी में क्लोजिंग फेस्ट 7 से

रायपुर। छत्तीसगढ़ और मध्य भारत में रियल एस्टेट के क्षेत्र में अग्रणी ब्रांड सिंघानिया बिल्डकॉन को हर्षित अरबन सिटी में आयोजित प्लॉट मेला से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। हर्षित अरबन सिटी ने राजधानी रायपुर में रियल एस्टेट निवेशकों के बीच एक लोकप्रिय डेस्टिनेशन बनकर अपना स्थान मजबूत किया है। इस प्लॉट मेला में 80% से अधिक प्लॉट्स बुक और सोल्ड हो चुके हैं। अब, हर्षित अरबन सिटी के क्लोजिंग फेस्ट में सिर्फ 20 प्लॉट्स बाकी हैं। 7 से 9 फरवरी 2025 तक चलने वाले इस फेस्ट में शामिल होकर आप भी अपनी पसंदीदा जगह पर प्लॉट बुक कर सकते हैं और उन भाग्यशाली ग्राहकों में शामिल हो सकते हैं जिन्होंने सिंघानिया बिल्डकॉन के इस शानदार प्रोजेक्ट को अपना नया आशियाना बनाने के लिए चुना है। रायपुर शहर के केंद्र में स्थित हर्षित अरबन सिटी रिंग रोड नं.-1, डी-मार्ट के सामने, रायपुरा में स्थित है। यहां 1000-3000 वर्गफुट के प्रीमियम रेजिडेंशियल प्लॉट्स किफायती कीमतों पर उपलब्ध हैं, जो एक शानदार शहरी जीवन और आधुनिक सुविधाओं के साथ आते हैं। सिंघानिया बिल्डकॉन ने इस प्रोजेक्ट के जरिए ग्राहकों को एक लक्जरी जीवन का अनुभव प्रदान किया है। ग्राहकों के शानदार रिस्पांस पर सिंघानिया बिल्डकॉन के सीएमडी सुबोध सिंघानिया और एमडी हर्षित सिंघानिया ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने 'धन्यवाद छत्तीसगढ़' के साथ अपने ग्राहकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि सिंघानिया बिल्डकॉन ने रियल एस्टेट में कई सफल प्रोजेक्ट्स पूरे किए हैं, जहां हजारों परिवार खुशहाल जीवन जी रहे हैं।

डॉ. सतिंदर सरताज ने 'इंक रीडिबलः द राइटर्स फेस्टिवल 2025' में अपनी साहित्यिक यात्रा की शुरुआत की

रायपुर। सूफी संगीत के महान उस्ताद डॉ. सतिंदर सरताज ने इंफोसिस परिसर में आयोजित नोवेल बंच के तीसरे राइटर्स फेस्टिवल 2025, इंकरीडिबल में अपनी नवीनतम कविता सुनाकर साहित्य उत्सव के साथ अपनी यात्रा शुरू की। इस आयोजन में शहर के साहित्यिक जगत के दिग्गजों के साथ बातचीत करते हुए, डॉ. सरताज ने अपनी काव्यात्मक रचनाएँ साझा कीं, जो उन्होंने इस वर्ष की शुरुआत में लिखी थीं।

एक्सिस बैंक का कैंसर अनुसंधान व देखभाल से जुड़ी पहलों को समर्थन

रायपुर। भारत में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक, एक्सिस बैंक ने भारत में कैंसर अनुसंधान और रोगी की देखभाल से जुड़ी पहलों का समर्थन करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दृढ़ की है। एक्सिस बैंक ने अपनी सीएसआर प्रतिबद्धता के अंग के रूप में, भारत में तीन प्रतिष्ठित कैंसर संस्थानों - टाटा मेमोरियल सेंटर के तहत नेशनल कैंसर ग्रिड (एनसीजी), इंडियन कैंसर सोसाइटी (आईसीएस) और सेंट जूड इंडिया चाइल्डकेयर सेंटर्स के साथ साझेदारी की है, ताकि ऑन्कोलॉजी में भारत की डिजिटल क्षमताओं का निर्माण किया जा सके, कैंसर देखभाल की पहुंच बढ़ाई जा सके, कैंसर के शुरुआती निदान और उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके और कैंसर अनुसंधान और नवोन्मेष को आगे बढ़ाया जा सके।

देश में सोने की मांग 2024 में 802.8 टन रही 2025 में 700-800 टन रहने का अनुमान

एजेंसी ▶▶ मुंबई

देश में सोने की मांग आयात शुल्क में कमी और शादी-ब्याह व त्योहारों से संबंधित खरीदारी से 2024 में सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर 802.8 टन हो गई। 2025 में इसके 700-800 टन के बीच रहने का अनुमान है।

विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, देश में 2024 में सोने की मांग 802.8 टन रही, जबकि 2023 में यह 761 टन थी। सोने की मांग का कुल मूल्य 2024 में 31 प्रतिशत बढ़कर 5,15,390 करोड़ रुपये हो गया। 2023 में यह 3,92,000 करोड़ रुपये था।

डब्ल्यूजीसी के क्षेत्रीय मुख्य कार्यकारी अधिकारी (भारत) सचिन जैन ने कहा, 2025 के लिए हमारा अनुमान है कि सोने की मांग 700-800 टन के बीच रहेगी। उम्मीद है कि शादी-ब्याह से जुड़ी खरीदारी से सोने के आभूषणों की मांग में सुधार होगा बशर्ते कीमतों में कुछ हद तक स्थिरता आए। गौरतलब है कि 2024 में सोने की कीमत रिकॉर्ड ऊंचाईयों तक पहुंच गई थी। अखिल भारतीय राफा संघ के अनुसार, आभूषण विक्रेताओं व खुदरा विक्रेताओं की मजबूत मांग के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमतों में लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही। और यह 500 रुपये बढ़कर 85,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई।

इस वर्ष सोना 85,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंचा

इस वर्ष सोना 6,410 रुपये या 8.07 प्रतिशत चढ़कर 85,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया जो एक जनवरी को 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम था। डब्ल्यूजीसी की स्वर्ण मांग रुझान, 2024 रिपोर्ट में कहा गया कि चौथी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के दौरान मांग 265.8 टन पर स्थिर रही, जो 2023 की इसी अवधि में 266.2 टन के समान है। आभूषणों की मांग 2024 में दो प्रतिशत घटकर 563.4 टन रह गई जो 2023 में 575.8 टन थी। वहीं 2024 में सोने का आयात चार प्रतिशत घटकर 712.1 टन रह गया। यह 2023 में 744 टन था।

सोने में मजबूत निवेश मांग

इसके अलावा, यह अनुमान है कि सोने में मजबूत निवेश मांग का रुझान जारी रहेगा। खुदरा निवेशक गोल्ड ईटीएफ, डिजिटल गोल्ड और सिक्कों व बार में रुचि दिखा रहे हैं। इस बीच, विश्व स्तर पर 2024 में सोने की मांग काफी हद तक स्थिर रही। यह 2023 की तुलना में एक प्रतिशत मामूली वृद्धि के साथ 4,974 टन रही ।

फ्लैट बेचना है किराये से देना है

शंकर नगर रायपुर में श्रीराम RESIDENCY में 4BH का फ्लैट सर्वसुविधा युक्त बेचना है किराये से देना है।

इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें :-

मो. : 9977345867

150 उत्पादों के लिए गुणवत्ता अनुपालन हुआ अनिवार्य

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सरकार ने घरेलू उपकरणों से लेकर औद्योगिक सामाग्रियों समेत 150 उत्पादों के लिए गुणवत्ता अनुपालन को अनिवार्य किया है। इस पहल का मकसद कड़ी सुरक्षा के साथ प्रदर्शन मानदंड को सुनिश्चित करना है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने कहा कि उसने बेहतर जागरूकता के उद्देश्य से 150 से अधिक उत्पादों को पहले ही सूचीबद्ध कर लिया है। इन अनिवार्य मानकों का दायरा अलग-अलग प्रवर्तन तिथियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों तक बढ़ाया गया है। बीआईएस इन आदेशों के क्रियान्वयन की निगरानी करेगा। सूची में वैक्यूम क्लीनर, स्टेनलेस स्टील के बर्तन और मालिश करने वाले उपकरणों सहित विभिन्न उत्पाद शामिल हैं। फर्नीचर उद्योग में, विनिर्माताओं को 'ब्लॉक बोर्ड', प्लाईवुड और लकड़ी के फ्लश दरवाजे जैसे उत्पादों के लिए गुणवत्ता मानदंडों का पालन करना होगा।

उत्पादों की संख्या बढ़कर 732 से अधिक

गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के तहत उत्पादों की संख्या 2014 में 106 से बढ़कर अक्टूबर, 2024 तक 732 से अधिक हो गई है। यह कदम कम गुणवत्ता वाले आयात पर अंकुश लगाते हुए घरेलू विनिर्माण मानकों को बढ़ाने की भारत की व्यापक रणनीति के अनुरूप है।

कलर्स बाय रूपा ने किया नए उत्पाद 'ड्राई फिट कलेक्शन' का अनावरण

जयपुर। भारत की प्रमुख होजियरी ब्रांड रूपा एंड कंपनी लिमिटेड के तहत 'कलर्स बाय रूपा' ने हाल ही में ड्राई फिट कलेक्शन लांच किया, जो एथलीजर वेयर की नई रेंज के रूप में एक नया दृष्टिकोण पेश करता है। यह कलेक्शन डायनेमिक 'प्लेश्योर' रेंज का हिस्सा है, जिसे कम्फर्ट, परफॉर्मेंस और स्टाइल का सही मिश्रण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके माध्यम से यह कलेक्शन हर दिन के अनुभव को खास बनाने का उद्देश्य रखता है। यह ड्राई फिट कलेक्शन विशेष रूप से आज के सक्रिय जीवनशैली के उपभोक्ताओं के लिए तैयार किया गया है। उच्च गुणवत्ता वाले पॉलिएस्टर और इलास्टेन-आधारित सामग्री से निर्मित, यह पहनावा चाहे वर्कआउट के दौरान हो या आराम से काम करते हुए, असाधारण आराम प्रदान करता है। इसके एर्गोनॉमिक डिजाइन और परफेक्ट फिट की विशेषता इसे शरीर के साथ आसानी से मूव करने लायक बनाती है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email : response.haribhoomi@gmail.com

CLASSIFIED

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- कम्प्युटर ऑपरेटर, सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, लेडी गार्ड, मार्केटिंग अधिकारी, योग्यता 10वीं-स्नातकोत्तर, गार्ड ऊंचाई 5.7) वेतन योग्यतानुसार संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, 434, चतुर्थतल, प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइलः - 7746000016, 7747000019. (RO-3160)

आवश्यकता है- सिक्युरिटी गार्ड , मार्केटिंग अफसर, कम्प्यूटर ऑपरेटर वेतन 14500 से 18000 पता TANGO SECURITY PVT. LTD. ऑरेंज हाइव 6 फ्लोर ऑफिस 603 मोवा रायपुर मो.- 8109070600, 7869230888.(RO-2476)

Wanted- Urgently required Security Guards to work at Darramuda, Binjkot, Raigarh Duty : 12 hrs for 30 days Salary: 15000+PF& ESIC, Accommodation: Free Height: 5'6 and above Education: 10th pass.Distance: 100km above the location. 8497964446, 7805866633. (RO-3813)

तत्काल आवश्यकता है- बंगलो एवं ऑफिस में कार्य करने हेतु सुरक्षा गार्ड की तत्काल आवश्यकता है अनुभव- 5 से 10 वर्ष, उम्र 30 से 40 वर्ष वेतन योग्यतानुसार कृपया अनुभवी ही संपर्क करें :- 9109972720.(RO-3272)

कम्प्युटर ऑपरेटर

आवश्यकता है- डी.टी.पी. कम्प्यूटर आपरेटर-4पद ,युवक / युवती की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता पेजमेकर, कोरल-ड्रा, डिजाईनिंग जानकारी हो। पार्टटाईम / फुलटाईम. संपर्क - भारत प्रिंटर्स तरूणटॉकीज वाली गली, संतराबाड़ी दुर्ग। मिलने का समय- 12से2 मो.- 98279-60336.(आरो न.-676)

बेकरी/मिस्त्री

आवश्यकता है- बेकरी शॉप हेतु युवक व युवतियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार । संपर्क टिकरापारा, रायपुर 9754178006. (RO-354)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- रायपुर शहर में पैकेट माल की निक्री हेतु अनुभवी सेल्समैन अथवा सेल्सगर्ल की आवश्यकता है। खुद का वाहन अनिवार्य है। संपर्क करे :- 93009-05560. (RO-926)

आवश्यकता है- साड़ी दुकान एवं रेडीमेड कपड़े की दुकान हेतु लड़के- लड़कियां एवं सेल्समैन- सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार संपर्क करें:- भागचंद आनंदराम, मटका लाईन, गोल बाजार, रायपुर मोबाइल नंबर:- 9329103178.(RO-3277)

आवश्यकता है- डिटॉल कंपनी के प्रोडक्ट की रायपुर में मार्केटिंग हेतु अनुभवी सेल्समैन की जो जनरल व मेडिकल मार्केट के बारे में जानकारी रखता हो, संपर्क करे:- अग्रवाल एजेंसी रायपुर Mob. 98264-16557. (RO-3270)

हरिभूमि क्लासीफाईड

आवश्यकता है- मोबाइल दुकान में मोबाइल एसेसरीज बेचने हेतु सेल्समेन तथा मोबाइल लाने छोड़ने हेतु सेल्समैन /लड़के (आकर्षक वेतन) योग्यता न्यूनतम 10वीं पास, आसपास रहवासी संपर्क करें:- अबाबा मोबाइल, मेन रोड, तेलीबांधा 7869999902.(RO-3274)

वार्ड बॉय/गर्ल्स

आवश्यकता है- वार्ड बॉय, वार्ड गर्ल्स एवं नर्सिंग स्टाफ की आवश्यकता है संपर्क करें- श्री गोविंद हॉस्पिटल, बॉस टाल, रायपुर फोन (0771)4913354, 7880106929. (RO-1630)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- सर्जिकल आफिस में लड़के और लड़कियों की आवश्यकता है। योग्यता,10 वी, 12 वी, संपर्क करे:-रामा मेडिटेक , गीतांजलि नगर, हाऊस नम्बर -15 / A, रायपुर 7089933233. (RO-935)

आवश्यकता है- आगरा में रहकर ऑफिस में कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष के 10वीं, 12वीं पास अविवाहित लड़कों की आवश्यकता है। वेतन 10000+ कमीशन- बोनस, रहना फ्री शीघ्र संपर्क करें- 8937847856, 6395268809.(RO-301)

एकाउंटेंट/फिटर

आवश्यकता है- रायपुर रिश्ता लोहा बाजार में एकाउंटेंट-1, आटोकेड ऑपरेटर-1 सुपरवाइजर-2, वेल्डर-4, हेल्पर-6, टर्नर-2, कटर-1, फिटर-4, सोशल मीडिया ऑपरेटर-2, मार्केटिंग ए क जी क यू टि व - 2 (लड़का/लड़की) की आवश्यकता है सम्पर्क- 9893070113 (Ro-36733)

ड्रायवर

आवश्यकता है- ड्राइवर की आवश्यकता है (पार्ट टाइम फुल टाइम) भाटागांव चंगोराभाटा के आसपास रहने वाले संपर्क करें मो. 9826750807, 8319744465.(RO-6211)

शीघ्र आवश्यकता है- 5 टाटा एस ड्राइवर (10000/15000) 2 ई रिक्शा ड्राइवर (8000/12000 फ्लैक्स मशीन ऑपरेटर ग्राफिक डिजाइनर, 2 सेल्स एग्जीक्यूटिव 1 टैलीकॉलर की संपर्क 8871117007, 7862187165. (RO-3812)

आवश्यकता है- ऑटोमेटिक कार चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है। 30 साल से अधिक उम्र का होना अनिवार्य है। ड्यूटी टाईम प्रतिदिन सुबह 9 से रात 8:30, रविवार ड्यूटी टाईम सुबह 9 से दोपहर 3:00 (सूचना :- जेसीबी, ह्याड्रा, आदि जैसी गाड़ी चलाने वाले संपर्क ना करें) सैलरी 20000/-प्रतिमाह । रहने, खाने-पीने, बाइक, पेट्रोल की व्यवस्था नहीं दी जाएगी । पता - सिविल लाईन्स, रायपुर, कॉल :- 9644720222. (RO-32)

टेलीकॉलर

आवश्यकता है- टेलीकॉलिंग ऑफिस कार्य हेतु लड़की एवं महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 7000 + कमीशन + वीकली बोनस से कमाए 15000 से 20000 तक। पताः- देवेंद्र नगर रायपुर (छ ग) मोबाइल 9630110656, 9752297987. (आरो न.-675)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

अकाउंटेंट/ऑपरेटर

आवश्यकता है- मदर्स प्राइड हा. से. स्कूल, खम्हरिया आवश्यकता अकाउंटेंट- 03 पद, कंप्यूटर ऑपरेटर-03पद, सुरक्षा कर्मी-05 पद, ड्राइवर/परिचालक-05-05 पद, संपर्क- 78050-15500, 86023-48376 ईमेल-mpshooffice@gmail.com(RO-143)

सेल्स मैनेजर/एक्जीकेटिव

आवश्यकता है- सीनियर सेल्स मैनेजर-4 (ऑटोमोबाइल प्राथमिकता) सेल्स एग्जीक्यूटिव- 4 टेलीकालर (म/पु) अनुभवी 4 गार्ड, चौकीदार, चपरासी- 4 ड्राइवर घरेलू ऑटोमेटिक कार चलाना आता हो शराबी न हो- 2 कुक महिला घरेलू अनुभवी-2 अच्छे लोगों को रहने रूम. व्हाट्सएप में रिज्यूम भेजें और मिलें रिलेक्टो इवी, सोनडोंगरी, रिंगरोड-2, आयशर शोरूम के आगे हीरापुर, रायपुर 6266919195/93.(RO-3273)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- होलसेल रेडीमेड कपड़े की दुकान कार्य करने लड़के /लड़कियों की आवश्यकता है जय स्पोर्ट्स तनिष्क शोरूम के पीछे पंडरी रायपुर 7587145990.(RO-339)

क्लिनिक कार्य

आवश्यकता है- डेंटल क्लिनिक में कार्य हेतु लड़के/लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क अर्हम डेंटल क्लिनिक NEAR बाबा रामदेव मंदिर गंजपारा दुर्ग मिले 12to2 ,6to8 MO-7000537010.(आरो न.-1505)

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

पंडाल कार्य

आवश्यकता है- आशीर्वाद किराया भंडार में पंडाल काम हेतु मेहनती लड़के की आवश्यकता है वेतन 8000/- 9000/- ब्राह्मण पारा, सोहागा मंदिर रायपुर मो. नंबर 9826182338.(RO-A)

कार क्लीनर/कुक

आवश्यकता है- तेलीबांधा के आगे वी.आई.पी. चौक के पास, रायपुर में शाकाहारी खाना एवं अन्य घरेलू कार्य करने के लिए पुरुषो की आवश्यकता है। ग्रामीणों को प्राथमिकता। पान, गुटखा, तंबाकू या किसी प्रकार का नशा न करने वाले व्यक्ति संपर्क करें। संपर्क करें: 9300593000. (RO-1243)

बाइंडर

आवश्यकता है- एक अनुभवी कुशल बाइंडर की जो पार्ट /फुल टाइम प्रेस में काम कर सके । संपर्क अजय ट्रेडर्स एंड प्रिंटर्स अशोक नगर गुढ़ियारी रायपुर मो 7509921535, 7987377198. (RO-6210)

आवश्यकता

आवश्यकता है- नवयुवकः ग्राहक को माल दिखाना एवं माल जमाने हेतु। सम्पर्क समय 10-3 बजे,ड्यूटी समय 10-8 श्री ट्रेडर्स, इंटीरियर वर्ल्ड, भाटागांव जलगृह मार्ग मो. 7879311110 (RO-6209)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- तत्काल आवश्यकता बंगले में कार्य हेतु घरेलू नौकर की आवश्यकता है। अनुभवः 5 से 10 वर्ष वेतनः योग्यतानुसार कृपया केवल अनुभवी व्यक्ति ही संपर्क करें। संपर्क करें:- 9109972720.(RO-3271)

सेल्स मैनेजर

Wanted- Required 2 Area Sales Manager for hospital and office furniture manufacturing company candidates with minimum 1 years experience only apply contact- universe industries Raipur 9907846133. (RO-7351)

(एनू) चपरासी

आवश्यकता है- गोडाऊन में कार्य हेतु लेबर (पीयून/चपरासी) की । सोना ट्रेडिंग कंपनी, सांता स्वीट्स के पास, भनपुरी बाजार चौक, भनपुरी, रायपुर । संपर्क - 6266694683 (समय - 10 से 6) (RO-920)

अन्य

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Name address qualification/ Call/ WhatsApp/ SMS करें - 7903284986. (RO-669)

आवश्यकता है- पेंसिल, पेन, रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है संपर्क करें:- 8981475043, 8017271898.(RO-3275)

आवश्यकता है- आकर्षक ऑफर, पैन पेंसिल कंपनी में घर बैठे काम करके शिक्षित, बेरोजगार, लड़के - लड़कियां, महिलाऐ - पुरुष पैकिंग (24500 से 64500) महीना कमाऐ, फन्ड + बोनस- 09034329258..(RO-670)

Property प्रापर्टी

भूमि

भूमि बेचना है- अंजोरा से 6 कि. मी., ग्राम भरदा पिकनिक स्पॉट से मात्र 3 कि.मी. ग्राम बिरेझर में फॉर्म हाऊस के लिए प्लॉट उपलब्ध है। सम्पर्क :- 99814 23470.(आरो न.-670)

हरिभूमि क्लासीफाईड

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

Healthcare

गुप्त रोगी स्वयं मिले

शादी से घबराहट गुप्त रोग
- शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
- शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
- लिंग मे ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
- लिंग में टेढ़ापन
- वीर्य में शुक्राणु की कमी
- बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
- पेशाब में धातु जाना
- शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी

संपर्क डॉ. अहमद
सरकारी आई.टी.आई. पॉवर हाऊस अंबेडकर चौक, सी मार्ट के सामने बस स्टैण्ड, भिलाई
दिन- सोमवार, मंगलवार बुधवार, 10 से 5 बजे तक
रविवार, 10 से 2 बजे तक
9098889899

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

गुलियन-बैरी सिंड्रोम या जीबीएस एक न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिससे महाराष्ट्र में कई लोग संक्रमित हो चुके हैं। इस बीमारी के होने के कारण, इसके लक्षण, इलाज और जरूरी सावधानियों के बारे में एक्सपर्ट डॉक्टर के बहुत यूजफुल सजेशंस यहां दिए जा रहे हैं।

गुलियन-बैरी सिंड्रोम
बचाव के लिए सावधानी है जरूरी

डॉक्टर एडवाइस
डॉ. राजुल अग्रवाल
डायरेक्टर-न्यूरोलॉजी
श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली

पिछले कुछ दिनों में महाराष्ट्र में गुलियन बैरी सिंड्रोम के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। खासतौर पर पुणें में इसके कई मामले सामने आए हैं। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक इसके संक्रमण से सात लोगों की संदिग्ध मृत्यु हो चुकी है और 160 से अधिक लोग इससे बीमार हो चुके हैं। इन वजहों से इसको लेकर लोगों के मन में भय व्याप्त है। ऐसे में बिना डरे हुए आपको गुलियन बैरी सिंड्रोम के बारे में जानना-समझना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि इससे बचाव के लिए गुलियन बैरी सिंड्रोम के लक्षणों पर ध्यान देना और समय रहते अस्पताल पहुंचना बहुत जरूरी है।

क्या है जीबीएस

गुलियन-बैरी सिंड्रोम या जीबीएस एक गंभीर न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें नसों में

सूजन आने लगती है। यह बीमारी तब होती है, जब हमारा इम्यून सिस्टम नसों के ऊपर हमला करना शुरू कर देता है। इसमें कुछ समय बाद नसों में सूजन आने लगती है और शरीर के अन्य अंगों में कमजोरी के साथ दर्द भी होने लगता है। इसलिए आपको गुलियन-बैरी सिंड्रोम के लक्षणों पर ध्यान देना बहुत आवश्यक है और जरा भी संदेह होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

लक्षणों पर रखें नजर

गुलियन-बैरी सिंड्रोम के लक्षणों की बात करें तो सबसे पहले हाथों और पैरों में कमजोरी आनी शुरू हो जाती है। हाथ और पैर सुन्न होने लगते हैं। हाथ-पैर को हिलाने में दिक्कत आने लगती है और यह कमजोरी तेजी से शरीर के अन्य अंगों में भी फैलती है। इसके अलावा रीढ़ की हड्डी में कमजोरी, छाती की मांसपेशियों में कमजोरी, सांस लेने में परेशानी होना, जैसे लक्षण दिखने लगते हैं। इसकी वजह से मरीज को पैरालिसिस यानी लकवा भी हो सकता है। इस बीमारी में कई बार मरीज को हाई बीपी या फिर हार्ट अटैक तक आने की आशंका रहती है, जो घातक हो सकती है। इसलिए समय रहते लक्षणों पर ध्यान देना बहुत आवश्यक है।

पॉसिबल ट्रीटमेंट

यह हमारी इम्यून सिस्टम से जुड़ी बीमारी है, इसलिए इसका कोई निश्चित इलाज नहीं है। लेकिन डॉक्टर दो तरह की थेरेपी से मरीज का इलाज करते हैं। इन दो तरह की थेरेपीज में प्लास्मफेरेसिस और आई.वी.आई.जी.आई थेरेपी के माध्यम से मरीज का इलाज किया जाता है। कुछ मामलों में प्लाजमा थेरेपी और इम्यूनोग्लोबिन थेरेपी की मदद से भी बीमारी पर नियंत्रण प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है। इसलिए लक्षणों पर ध्यान देकर तुरंत अस्पताल पहुंचना बहुत जरूरी है और आपको कुछ सावधानियां भी बरतनी जरूरी हैं। तभी इससे बचाव संभव है।

बरतें ये सावधानियां

- सबसे पहले तो आप जीबीएस के प्रमुख लक्षणों पर अवश्य ध्यान दें यदि शरीर की मांसपेशियों में कमजोरी लग रही है, झुनझुनी या सुन्नता महसूस होती है, तो इसमें जरा भी लापरवाही ना बरतें और तुरंत अस्पताल पहुंचे या फिर नजदीकी डॉक्टर से संपर्क करें।

- साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, हमेशा स्वच्छ पानी पिएं, जिन स्थानों पर यह संक्रमण फैला है, वहां से दूरी बनाएं।
- भोजन करने से पहले हाथों को अच्छी तरह से धो लें और सैनिटाइजर का इस्तेमाल करें। *

प्रस्तुति: सेहत फीचर्स

वॉकिंग के बारे में तो हम सब जानते हैं। अपनी फिटनेस को लेकर कॉन्शस लोग अपने वर्कआउट रूटीन में वॉकिंग को शामिल भी जरूर करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि इससे मिलती-जुलती एक एक्सरसाइज रकिंग, वॉकिंग से काफी अधिक फायदेमंद होती है? हम आपको बता रहे हैं, क्या होती है रकिंग, इससे होने वाले फायदे और इसे करते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में।

परफेक्ट-फिट बॉडी के लिए डेली करिए रकिंग

फिटनेस
शिखर चंद जैन

राजन अभी 40 प्लस का हुआ भी नहीं था कि उसने महसूस किया कि आजकल उसके पैरों में हल्की सूजन रहने लगी है। शरीर में हर वक्त थकान सी रहती है, थोड़ा सा चलते-फिरते ही सांस फूलने लगती है और धड़कन तेज हो जाती है। एक दिन अचानक वह चलते-चलते घर में ही गिर पड़ा। अस्पताल में चेकअप के दौरान पता चला कि उसे कंजेस्टिव हार्ट फेल्योर हुआ था। डॉक्टर ने इलाज के दौरान बताया कि उसे अपने जीवनशैली में परिवर्तन, शारीरिक सक्रियता और एक्सरसाइज के साथ-साथ डाइट में भी परिवर्तन करना होगा। बाद में फिटनेस एक्सपर्ट ने उसे अपनी कार्डियोवैस्कुलर हेल्थ, बोन डेंसिटी मेंटेन करने, मसल्स की इलास्टिसिटी और स्ट्रेंथ के लिए रकिंग यानी बैक-पैक वॉकिंग करने की सलाह दी। इससे उसे काफी फायदा हुआ। फिजिकल एक्टिविटी और वेट लिफ्टिंग की प्रैक्टिस ने न केवल उसका बॉडी वेट सही मेंटेन किया बल्कि कंजेस्टिव हार्ट फेल्योर की कंडीशन को बहुत हद तक रिवर्स भी किया। इतना ही नहीं अब उसे मेंटल स्ट्रेंथ भी महसूस होती है।

क्या होती है रकिंग

रकिंग की शुरुआत आर्मी ट्रेनिंग से हुई है, जिसमें 'रक' या 'रकसैक' शब्द का अर्थ है बैक-पैक। प्रथम विश्व युद्ध से पहले, सैनिक अपना सारा सामान और कपड़े, डंडों से बने बंडलों में ढोते थे। 20वीं सदी की शुरुआत में, सैनिकों ने रकसैक में अपनी पीठ पर सामान ढोने का प्रशिक्षण लिया। अब इसी की तर्ज पर रकिंग इन दिनों ट्रेंड में है। फिटनेस एक्सपर्ट्स के साथ-साथ वेलनेस गुरु भी इसे सजेस्ट कर रहे हैं क्योंकि यह फिजिकल के साथ मेंटल हेल्थ को भी फायदा पहुंचाती है। इसमें आपको पीठ पर बैग लादकर वॉक करना होता है।

ईजी होती है एक्सरसाइज

बैक-पैक वॉकिंग यानी रकिंग कोई टफ एक्सरसाइज नहीं होती है। आप वॉक कर सकते हैं तो आप रक भी कर सकते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि आप अपनी लाइफ में डेली रुटीन को बाधित किए बिना रकिंग कर सकते हैं। इसमें केवल आपको अपना सामान भरा बैक-पैक लेकर वॉक करना है। आप अपने बैक-पैक के साथ ग्रॉसरी स्टोर जाएं या सब्जी लेने जाएं या फिर अपने ऑफिस जा सकते हैं।

रकिंग के फायदे हैं कई

अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कांसीन मिलवॉकी में रिहैबिलिटेशन साइंसेज की प्रोफेसर जेनिफर अर्ल बोयम कहती हैं, 'रकिंग से आपकी स्ट्रेंथ और स्टेमिना बढ़ती है। मस्कुलर इलास्टिसिटी और मजबूती भी बढ़ती है। इससे आपकी आउटडोर फिजिकल एक्टिविटी तो होती ही है, ब्रेन एक्टिविटी भी बढ़ती है। यह मेंटल हेल्थ, स्लीप और ब्लड प्रेशर के लिए भी फायदेमंद है। इस एक्सरसाइज के लिए न तो आपको अलग से कोई उपकरण खरीदना है न कोई एक्सट्रा खर्च करना होता है।'

धीरे-धीरे बढ़ाएं बैक-पैक का वेट

रकिंग करने के लिए आप घर से कोई भी सामान अपने बैक-पैक में रख सकते हैं। यह सामान किताबें, पानी की बोतल आपका लैपटॉप कुछ भी हो सकता है या फिर ग्रॉसरी स्टोर से खरीदा गया सामान भी हो सकता है। हां, इसका वजन इतना ही हो जितना आप आसानी से उठा पाएं। धीरे-धीरे अभ्यास के मुताबिक आप इस वजन को बढ़ा भी सकते हैं।

इंप्रूव होता है बॉडी पोश्चर

फिजिकल थेरेपिस्ट लारा हेइमैन कहती हैं कि रकिंग से आपके पॉश्चर, बॉडी बैलेंस और स्टेबिलिटी में भी सुधार होता है। रकिंग आपकी पीठ को मजबूत बनाती है, जिससे आपको थोड़ा सीधा खड़े होने में भी मदद मिल सकती है। जब आप बैक-पैक पहनते हैं, तो आपकी ऊपरी ट्रेपेजियस मांसपेशियों, कंधों और ऊपरी पीठ की मांसपेशियों को सक्रिय होना पड़ता है। यह उन लोगों के लिए वास्तव में मददगार हो सकता है, जिनकी ऊपरी पीठ की मांसपेशियां कमजोर हैं और पॉश्चर खराब है। अगर आप डेस्क जॉब करते हैं तो आपको रकिंग के लाभ बहुत जल्दी दिखने लगेंगे। आपकी पीठ पर बंधा हुआ सारा वजन सिर्फ आपके ऊपरी शरीर को एक्टिव नहीं करता, यह आपके पैरों और कोर को भी एक्टिव कर देता है। जब आपकी पीठ पर वजन पड़ता है तो यह आपके कोर को भी सक्रिय करते हैं, जो आपके शरीर को स्थिर करने का काम करता है, जिससे यह पूरे शरीर की कसरत बन जाती है। *

बरतें सावधानियां

रकिंग करने वालों को लारा हेइमैन सुझाव देती हैं कि सबसे पहले आप इस बारे में सोचें कि आप बिना वजन के कितनी देर तक चल सकते हैं? अपने रक्स के लिए उस समय को आधा कर दें। उदाहरण के लिए, अगर आप आराम से 30 मिनट तक चल सकते हैं तो 15 मिनट के लिए रक्स करने का प्रयास करें। हेइमैन कहती हैं कि जैसे-जैसे आपकी भुजाओं, कंधों, कूल्हों और पीठ की मांसपेशियां मजबूत होती जाएंगी। इससे आप धीरे-धीरे अपने रक्स का भार, दूरी और ऊंचाई बढ़ा सकते हैं। हेइमैन एक ऐसा बैग चुनने की सलाह देती हैं, जिसमें छाती और कमर दोनों के लिए पट्टा यानी स्ट्रैप हो ताकि बैग का वजन आपके ऊपरी शरीर पर समान रूप से पड़े। यह एक लाइफ जैकेट की तरह फिट होना चाहिए।

पाचन रखे दुरुस्त इसबगोल की भूसी

घरेलू औषधि / रेखा देशराज

इसबगोल या साइलियम हस्क एक प्राकृतिक औषधि है, जो प्लांटागो ओवाटा नामक पौधे के बीज से हासिल होती है। इस बीज का बाहरी हिस्सा जिसे भूसी कहते हैं, दरअसल यही इसबगोल की भूसी होती है, जिसे आमतौर पर पेट की विभिन्न समस्याओं के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह भूसी फाइबर का बहुत समृद्ध स्रोत होती है। इसबगोल का उपयोग पाचन से संबंधित समस्याओं के लिए भारत में हजारों साल से हो रहा है। इसबगोल को आयुर्वेदिक और प्राकृतिक चिकित्सा में चमत्कारिक जड़ी के रूप में जाना जाता है। आयुर्वेदिक ग्रंथों में भी इसका उल्लेख मिलता है। भारत में इसबगोल का इस्तेमाल सदियों से होता रहा है और प्राचीनकाल से ही इसबगोल की दुनिया के दूसरे देशों में भी काफी मांग रही है, इसलिए राजस्थान, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में बड़े पैमाने पर इसकी खेती होती है। भारत इसबगोल का दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक है। यह एक

तरह की घुलनशील फाइबर है, जो आंतों, हृदय और समूचे पेट के स्वास्थ्य के लिए रामबाण मानी जाती है। इसबगोल की भूसी को पावडर, दानों या कैप्सूल के रूप में भी लिया जा सकता है।

सेवन से होने वाले फायदे: इसबगोल विशेषकर अपने भरपूर फाइबर और पाचन सुधारक गुणों के कारण पूरी दुनिया में मशहूर है।

- यह कब्ज, दस्त और गैस की समस्या को दूर करती है।
- यह ब्लड शुगर लेबल को नियंत्रित करती है।
- बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करती है और गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाती है।
- दिल के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।
- यह एसिडिटी से बचाती है।
- यह आंतों की दीवारों को मजबूत करती है। साथ ही यह इरिटेबल बाउल सिंड्रोम के लक्षणों को कम करती है।
- यह पानी को सोख लेती है, जिससे मल नरम हो जाता है और पेट साफ रहता है।
- यह हल्का और ठंडक प्रदान करने वाला है, साथ ही यह पित्त, वात और कफ के असंतुलन को ठीक करता है। *

अगर आप बदलते मौसम में मांसपेशियों में होने वाले दर्द से परेशान रहते हैं तो आपको डेली कुंभकासन का अभ्यास करना चाहिए। इससे आपकी मांसपेशियां मजबूत बनती हैं और कई तरह के दर्द से राहत भी मिलती है। इसकी विधि और सावधानियों के बारे में जानिए।

मांसपेशियों को मजबूती प्रदान करे कुंभकासन

योगोपचार / दिव्यज्योति 'नंदन'

अब सर्दी कम तो हो गई है लेकिन अभी भी सुबह-शाम ठंडी हवाओं से बचना जरूरी है। ऐसे में शरीर को गर्म रखने के लिए आप योगाभ्यास कर सकते हैं। इसके लिए वैसे तो कई महत्वपूर्ण आसन हैं जैसे-पादहस्तासन, उत्तानासन, भुजंगासन, उष्ट्रासन और कुंभकासन। लेकिन इनमें कुंभकासन या प्लैंक पोज इसलिए अन्य आसनों से बेहतर है, क्योंकि यह मसल्स की ताकत बढ़ाता है।

आसन करने की विधि: सही तरीके से कुंभकासन करने के लिए सबसे पहले अपनी योगा मैट पर पेट के बल लेट जाएं। इस दौरान अपनी हथेलियों को अपने चेहरे के पास रखें और पैरों को इस तरह से मोड़ें कि पैर की अंगुलियां जमीन से ऊपर उठ रही हों। इसके बाद हाथों को धक्का देकर अपने नितंबों को हवा में ऊपर उठाएं। धड़ को फर्श के समानांतर रखें और इसे तब तक आगे की ओर खींचते रहें, जब तक कि भुजाएं लंबवत न हो जाएं और कंधे, कलाइयों के ऊपर न आ जाएं। इसके बाद हथेलियों को जमीन पर मजबूती से टिकाएं। कंधों की हड्डियों को रीढ़ से दूर फैलाएं और अपनी कॉलरबोन को सीने से दूर की तरफ खींचें। पैरों की अंगुलियों को नीचे की ओर मोड़ें और टेलबोन को एड़ियों की ओर लंबा करें। इस दौरान नाक की सीध पर फर्श की तरफ देखें। कुंभकासन या प्लैंक पोज की शुरुआत अधोमुख श्वानासन से करना चाहिए।

कुंभकासन करने के फायदे: यह पेट की मांसपेशियों की शक्ति को बढ़ाता है।

- कंधों, पीठ, नितंबों और जांघों को मजबूत बनाता है।
- वजन घटाने में भी कुंभकासन मददगार है।
- पैरों की पिंडलियों को यह आसन मजबूत करता है।
- शरीर में लचीलापन बढ़ाता है। कंसंट्रेशन भी बढ़ाता है।
- इस आसन को करने से स्ट्रेस कम होता है।
- ब्लड सर्कुलेशन सिस्टम को सुचारु बनाता है।
- यह आसन हिप्स को टोंड करता है।

कुंभकासन करते समय बरतें ये सावधानियां: नियमित कुंभकासन करने के बहुत सारे फायदे हैं, लेकिन उन लोगों को कुंभकासन करने से बचना चाहिए, जिन्हें यहां बताई जा रही शारीरिक परेशानियां हैं।

- जिनके घुटनों, टखनों या कोहनियों में दर्द रहता है या यह आसन करते समय तेजी से दर्द उठता है।
- अगर बीपी की समस्या है तो इसे करने से पहले डॉक्टर से सलाह ले लें।
- अनिद्रा या किसी तरह के भी सिरदर्द की समस्या है तो यह आसन न करें।
- जिन लोगों को अकसर चक्कर आते हैं, उन्हें भी इस आसन से दूर रहना चाहिए।
- गर्भवती महिलाओं को यह आसन भूलकर भी नहीं करना चाहिए।

पहले और बाद में क्या करें: कुंभकासन के पहले शवासन करना चाहिए, क्योंकि शवासन करने से शरीर विश्राम की मुद्रा में आ जाता है। कुंभकासन के बाद भी शवासन करना फायदेमंद होता है। अगर पहली बार कुंभकासन करने जा रहे हैं, तो बेहतर होगा कि किसी योग प्रशिक्षक की निगरानी या देखरेख में ही करें। *

क्या आपको पता है सोने का सही ढंग क्या है? किन मुद्राओं में सोना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है? जमीन में सोना सही होता है या पलंग पर? इनके जवाब जानकर आप सोने का सही तरीका जान लेंगे और इससे स्वस्थ रहेंगे।

स्वास्थ्य को सुधारता है सोने का सही तरीका

हेल्थ सजेशन
रेखा

सोने के सही तरीके से भी स्वस्थ रहा जा सकता है? क्या सही तरीके से सोना अच्छे स्वास्थ्य की गारंटी है? इन दोनों सवालों का जवाब है, हां। विशेषज्ञ कहते हैं कि अच्छी नींद लेना स्वस्थ रहने का विज्ञान है।

सही ढंग से सोने के फायदे: विशेषज्ञ सोने के तौर तरीकों पर लंबी जांच पड़ताल के बाद इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि सोने का सही तरीका और आदतें न केवल हमारी नींद की गुणवत्ता बढ़ाती हैं बल्कि ये हमारे समग्र स्वास्थ्य पर भी गहरा असर डालती हैं। सही तरीके से सोना शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की गारंटी है। सही तरीके से सोने में ही वो सारी गतिविधियां सुचारु रूप से संपन्न होती हैं, जो हमारे सोते समय हमारा शरीर करता है। अगर हम सही तरीके से सोते हैं तो सही ढंग से हमारी मांसपेशियों की मरम्मत होती है। सही ढंग से रिकवरी होती है, सही ढंग से सोने पर हमारे शरीर की कोशिकाएं ज्यादा स्वस्थ और सक्रिय रहती हैं। इन सब बातों का समग्रता में हमारी सेहत पर सकारात्मक असर पड़ता है। इसलिए सही तरीके से सोना अच्छे स्वास्थ्य की गारंटी है।

क्या है सोने का सही तरीका: सोने की सही मुद्रा हमारी रीढ़ की हड्डी को प्राकृतिक अवस्था में बनाए रखती है, जो कि हमारे सेहतमंद रहने का एक बड़ा आधार होती है।

रीढ़ की हड्डी अगर प्राकृतिक अवस्था में रहती है, तो इससे हमारा शरीर तनावमुक्त रहता है। सही ढंग से सोने के तरीके में इस बात का भी महत्व होता है कि हम जिन गद्दों और तकियों के साथ सोते हैं, वो कैसे हैं? सोने के लिए ऐसा गद्दा होना चाहिए, जो न ज्यादा सख्त हो और न ही बहुत मुलायम। साथ ही तकिया गर्दन और रीढ़ की सीध में होना चाहिए। अब जानते हैं सोने की सही मुद्राओं के बारे में।

बाईं करवट सोना: विशेषज्ञों का मानना है कि अगर हम बाईं करवट सोते हैं तो यह हमारे पाचनतंत्र के लिए बहुत लाभकारी होता है। इस मुद्रा में सोने से एसिडिटी कम होती है। रक्तप्रवाह में सुधार होता है। गर्भवती महिलाओं को तो विशेषकर बाईं करवट ही सोना चाहिए।

दाईं करवट सोना: सोने की यह भी मुद्रा आरामदायक है, लेकिन अगर लंबे समय तक दाईं करवट पर सोया जाए तो पेट और दिल के बीच दबाव बढ़ सकता है। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ दाईं करवट सोने को सही नहीं मानते। जिन्हें दिल की बीमारी हो उन्हें तो खासतौर पर दाईं करवट सोने से बचना चाहिए।

जमीन पर या पलंग पर: जमीन पर सोना रीढ़ को सीधा रखने में मददगार होता है। यह शरीर को बेहतर समर्थन देता है। लेकिन इसमें एक समस्या रहती है, खासतौर पर सर्दियों में जमीन पर सोने से सर्दी लग जाती है और जोड़ों में दर्द जैसी समस्या पैदा हो जाती है। यदि लकड़ी का सख्त पलंग है तो सोने के लिए वह भी सही रहता है। बस सोने का सही गद्दा होना जरूरी है ताकि वह शरीर को सपोर्ट भी दे और आरामदायक भी रहे। अगर ये दोनों बातें हैं तो लकड़ी के पलंग पर सोना ही बेहतर विकल्प है।

कैसे कपड़े पहन कर सोएं: निश्चित रूप से आरामदायक और ढीले कपड़े पहन कर सोना चाहिए। यह बेहतर नींद और स्वास्थ्य के लिए अच्छा विकल्प है। यह भी ध्यान रखें कि रात में सूती कपड़े पहन कर ही सोएं। कपड़े बहुत फिट भी नहीं होने चाहिए। इससे त्वचा और रक्त प्रवाह में बाधा पड़ती है, जो कि हमारे स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है। *

पीठ के बल सोना

पीठ के बल सोने से रीढ़ और गर्दन सीधी रहती है। त्वचा पर झुर्रियां कम पड़ती हैं। लेकिन जिन्हें 'स्लीप एपनिया' की बीमारी हो, उन्हें इस मुद्रा में सोने से बचना चाहिए।

टी20 : अभिषेक की लंबी छलांग... 38 पायदान के फायदे से बने वर्ल्ड नंबर-2

एजेंसी ▶▶| दुबई

बेहतरीन फॉर्म में चल रहे भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय नवीनतम बल्लेबाजी रैंकिंग में 38 स्थान की लंबी छलांग के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए। टीम के उनके साथी तिलक वर्मा एक स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर हैं। अभिषेक ने मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में अपने कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 135 रन की तेजतर्रार पारी खेली। इस प्रदर्शन की बदौलत 24 साल के अभिषेक ने नवीनतम रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई।

855 अंक से शीर्ष पर हेड

ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज ट्रेविस हेड (855 अंक) टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर बरकरार हैं लेकिन वानखेड़े में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के बाद अभिषेक उनसे सिर्फ 26 रेटिंग अंक पीछे हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव भी पांचवें स्थान पर हैं। हार्दिक पंड्या (पांच स्थान के फायदे से 51वें स्थान पर) और शिवम दुबे (38 स्थान के फायदे से 58वें स्थान पर) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है।

शीर्ष बल्लेबाज

रैंकिंग	खिलाड़ी	देश	अंक
1	ट्रैविस हेड	ऑस्ट्रेलिया	855
2	अभिषेक शर्मा	भारत	829
3	तिलक वर्मा	भारत	803
4	फिल साल्ट	इंग्लैंड	798
5	सूर्यकुमार यादव	भारत	738

शीर्ष गेंदबाज

रैंकिंग	खिलाड़ी	देश	अंक
1	अकील होसेन	वेस्टइंडीज	707
2	आदिल रशीद	इंग्लैंड	705
3	वरुण चक्रवर्ती	भारत	705
4	वानिंदु हसरंगा	श्रीलंका	698
5	एडम जम्पा	ऑस्ट्रेलिया	694

चक्रवर्ती भी दूसरे नंबर पर

गेंदबाजी रैंकिंग में भी भारत के वरुण चक्रवर्ती इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में 14 विकेट चटकाने के बाद तीन स्थान के फायदे से आदिल राशिद के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। चक्रवर्ती को श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुना गया। इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट चटकाने वाले भारतीय स्पिनर रवि बिश्नोई भी चार स्थान आगे बढ़कर छठे पायदान पर हैं। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी नौवें स्थान के साथ शीर्ष 10 गेंदबाजों की सूची में शामिल हैं। वेस्टइंडीज के स्पिनर अकील हुसैन एक बार फिर दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बन गए हैं।

टेस्ट में शीर्ष पर बुमराह

टेस्ट रैंकिंग में भारत के यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर बने हुए हैं। इंग्लैंड के जो रूट शीर्ष पर चल रहे हैं जबकि उनके बाद हैरी ब्रूक और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन का नंबर आता है। पीठ की जकड़न की समस्या से उबर रहे भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं। उन्हें हाल में आईसीसी का साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर और सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर चुना गया। बाएं हाथ के स्पिनर रविंद्र जडेजा नौवें स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल दूसरे भारतीय गेंदबाज हैं।

तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला का पहला मैच आज दोपहर 1.30 बजे

कोहली-रोहित सहित फार्म में नहीं भारत के शीर्ष बल्लेबाज

भारत चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम तैयार करने इंग्लैंड को देगा चुनौती

एजेंसी ▶▶| मुंबई

नागपुर। भारतीय टीम गुरुवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उचित टीम संयोजन तैयार करना चाहेगा जिसमें कुछ शीर्ष खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर भी नजर रहेगी। कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ी पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे हैं और उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाह रहेगी।

विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद दोनों खिलाड़ी श्रीलंका के खिलाफ तीन मैच की वनडे श्रृंखला में खेले थे। रोहित ने इस श्रृंखला में दो अर्धशतक लगाए थे जबकि कोहली कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। इन दोनों का लचर प्रदर्शन टेस्ट क्रिकेट में भी जा रहा जिससे उनके भविष्य को लेकर अटकलबाजी शुरू हो गई। इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला पाकिस्तान और दुबई में 19 फरवरी से शुरू वाली चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत की अंतिम प्रतियोगिता होगी जो टी20 विश्व कप के बाद खेल के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास लेने वाले रोहित और कोहली के करियर के लिए भी निर्णायक साबित होगी।

पंत-राहुल में चयन मुश्किल

भारतीय टीम के लिए कुछ खिलाड़ियों की फॉर्म ही चिंता का विषय नहीं है, उसे इस पर भी काफी माथापच्ची करनी होगी कि ऋषभ पंत और केएल राहुल में से विकेटकीपर की भूमिका कौन निभाएगा। रोहित और उप कप्तान शुभमन गिल पारी की शुरुआत करेंगे। उनके बाद कोहली और श्रेयस अय्यर उतरेंगे जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज को पांचवें नंबर पर उतारा जा सकता है। इसके बाद हार्दिक पंड्या का नंबर आता है। राहुल बीच के ओवरों में लगातार स्ट्राइक रोटेट करने में उनकी नाकामी चिंता का विषय होगी। भारतीय बल्लेबाजी क्रम में दाएं हाथ के बल्लेबाजों की भरमार है और ऐसे में पंत बाएं हाथ का बल्लेबाज होने के कारण उसमें विविधता लाते हैं।

शमी-कुलदीप की वापसी

इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला से तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और स्पिनर कुलदीप यादव को भी मैच अभ्यास का मौका मिलेगा। यह दोनों चोट से उबर कर वापसी कर रहे हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की चोट के कारण इस श्रृंखला में नहीं खेल रहे हैं।

चक्रवर्ती को मिल सकता है मौका

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने के कारण स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्हें यहां वनडे में पदार्पण का मौका मिल सकता है और वह अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में शामिल होने का मजबूत दावा पेश कर सकते हैं। टीम प्रबंधन को स्पिन ऑलराउंडर के लिए भी कड़ा फैसला करना होगा। इस स्थान के लिए रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर दावेदार हैं। जडेजा ने वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद इस प्रारूप में कोई मैच नहीं खेला है।

बुमराह के बिना भारत की जीत की संभावना कम

एजेंसी ▶▶| दुबई

पूर्व कप्तान रवि शास्त्री का मानना है कि जसप्रीत बुमराह की संभावित अनुपस्थिति चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम को काफी कमजोर कर सकती है लेकिन उन्होंने इस मुख्य तेज गेंदबाज की राष्ट्रीय टीम में वापसी में जल्दबाजी नहीं करने की सलाह दी। बुमराह की जनवरी में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट में पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और उन्होंने दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं की थी। बुमराह इस समय राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और गुरुवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला के लिए वनडे टीम में नहीं हैं। खेल विज्ञान विशेषज्ञों से भारतीय क्रिकेट बोर्ड को उनकी फिटनेस पर अपडेट देने की उम्मीद है जिसके बाद चैंपियंस ट्रॉफी पर फैसला लिया जाएगा जो पाकिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित की जाएगी।

टेनिस

ग्रैंड स्लैम चैंपियन हालेप ने टेनिस से लिया संन्यास

एजेंसी ▶▶| बुखारेस्ट

दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिमोना हालेप ने मंगलवार को अपने गृह देश रोमानिया में एक टूर्नामेंट के पहले दौर में हार के बाद 33 साल की उम्र में टेनिस से संन्यास की घोषणा की।

■ ग्रैंड स्लैम चैंपियन हालेप ने टेनिस से लिया संन्यास

हालेप ने रोमानिया के क्लुज में ट्रांसिल्वेनिया ओपन में लूसिया ब्रॉन्जेटी से 6-1, 6-1 की हार के बाद दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा, 'मैं नहीं जानती कि मैं दुख के साथ या खुशी के साथ यह घोषणा कर रही हूं। मुझे लगता है कि मैं दोनों को महसूस कर रही हूं लेकिन इस फैसले से मुझे शांति मिली है। मैं हमेशा यथार्थवादी रही हूं। मेरा शरीर अब पहले जैसा नहीं रहा। भले ही मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा लेकिन मैं आपके सामने खेलकर टेनिस को अलविदा कहना चाहती थी।' हालेप 2017 में पहली बार विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंची थी लेकिन अभी वह 870वें स्थान पर हैं। उन्हें रोमानिया में इस टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया था। अपने करियर में चोटों से जूझने और डोपिंग के कारण निलंबन झेलने वाली हालेप एक समय महिला टेनिस में शीर्ष पर थीं। उन्होंने 2019 में विंबलडन में फाइनल में सेरेना विलियम्स को और 2018 में फ्रेंच ओपन में स्लोएन स्टीफंस को फाइनल में हराकर ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीते थे।

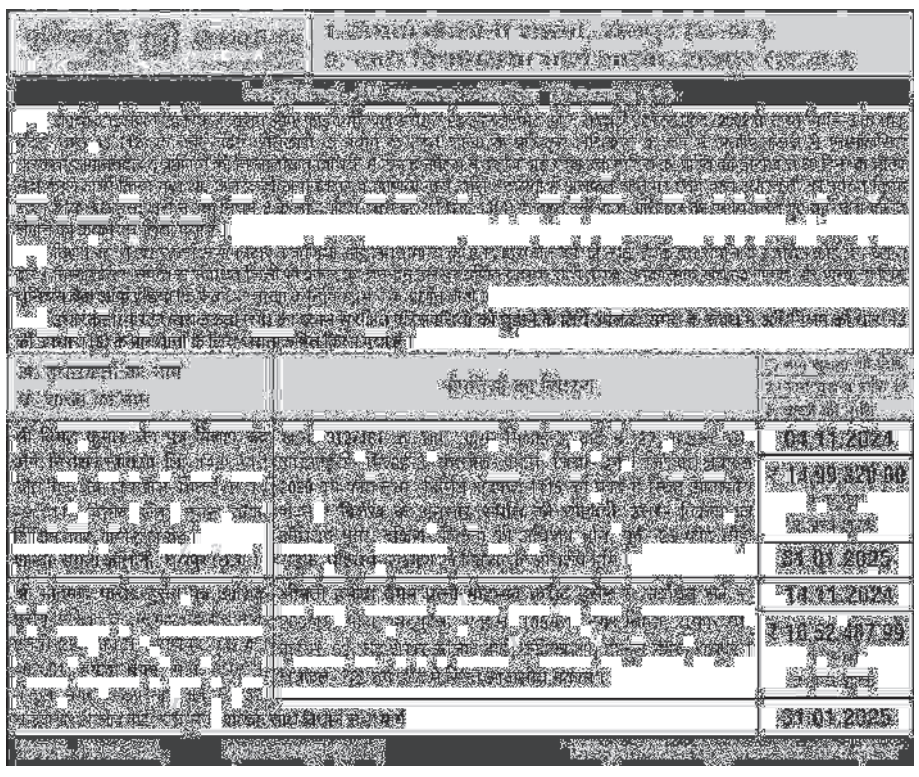

त्रिशा को एक करोड़ देगी तेलंगाना सरकार

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को उभरती हुई महिला क्रिकेटर गोंगाडी त्रिशा को एक करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की जिन्होंने हाल में कुआलालंपुर में आईसीसी महिला अंडर 19 टी20 विश्व कप के दौरान शानदार प्रदर्शन किया। तेलंगाना के भद्राचलम की रहने वाली त्रिशा ने यहां मुख्यमंत्री से उनके आवास पर मुलाकात की। रेड्डी ने त्रिशा के प्रदर्शन की सराहना की और उम्मीद जताई कि वह भविष्य में भी देश के लिए अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखेंगी।

17 सदस्यीय जूनियर बैडमिंटन टीम घोषित

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अंडर-17 चैंपियन ज्ञान दत्तू टी इस साल फरवरी और मार्च में खेले जाने वाले डच जूनियर इंटरनेशनल और जर्मन जूनियर बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की 17 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगे। भारतीय टीम में विश्व जूनियर रैंकिंग में छठे नंबर के खिलाड़ी रौनक चौहान, आदर्शिनी श्री और युगल विशेषज्ञ भव्य छाबड़ा और परम चौधरी भी शामिल हैं। डच जूनियर इंटरनेशनल 26 फरवरी से दो मार्च तक नीदरलैंड के हार्लेम में जबकि जर्मन जूनियर टूर्नामेंट पांच से नौ मार्च तक मुलहेम एन डेर रूहर में खेला जाएगा।

हमले से पहले ही अंदाजा हो जाएगा खतरे का!

सूर्य से आने वाले तूफानों का 'एआई' लगाएगा अनुमान

वॉशिंगटन। सूर्य हमारे लिए एक तारा भर नहीं हैं, बल्कि असीम ऊर्जा का स्रोत होने के साथ, कई तरह की समस्याओं या खतरों का भी कारण होता है। देखने से तो लगता है कि यह कभी नहीं बदलता है। लेकिन, यह प्लाज्मा का वह पिंड है जिस पर खुद के ही मैग्नेटिक फील्ड का लगातार असर होता है, जिसके गतिविधियों का अनुमान लगाना वैज्ञानिकों ने किए बहुत ही मुश्किल काम है। पर नई स्टडी का दावा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए सूर्य से निकलने वाले सौर तूफानों के जानकारी पहले से हासिल की जा सकती है और इस दिशा में बहुत ही सटीक नतीजे देखने को मिले हैं।

नए तूफानों का अनुमान

नए शोधपत्र में दावा किया गया है कि दशकों से एआई के जरिए सौर गतिविधियों की जानकारी दे कर प्रशिक्षित किए जा रहे एल्गोरिदम नई चेतावनी दे रहे हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि एल्गोरिदम ने एआर13664 इलाके में बढ़ी हुई गतिविधियों की जानकारी दी है और अब वह बता सकता है कि सूर्य की सतह पर बड़े विस्फोट कब होने वाले हैं।

किस तरह के विस्फोट?

ये एक खास तरह की घटना होते हैं, जिन्हें कोरोनल मास इजेक्शन या सीएमई कहते हैं। ये असल में सूर्य के बाहरी वायुमडंल कोरोना से निकलने वाले प्लाज्मा के विशालकाय प्रस्फोट होते हैं, जो कि सूर्य की मैग्नेटिक फील्ड में हो रही गड़बड़ियों के कारण होते हैं। इनके कारण सूर्य की मैग्नेटिक फील्ड में बदलाव आता है जिससे सौरज्वाला और बहुत सारी ऊर्जा भी निकलती है। इस तरह से ये सीएमई उत्सर्जन हजारों किलोमीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार से सफर करते हैं और कुछ ही दिनों में पृथ्वी तक पहुंच सकते हैं।

क्या होता है इनका असर?

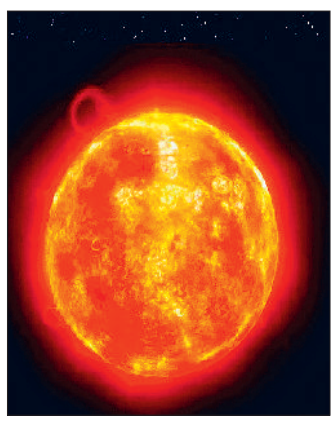

अगर सीएमई पृथ्वी की दिशा में आते हैं तो उसके मैग्नोटोस्फियर से टकरा कर भूचुंबकीय. तूफान पैदा करते हैं। इससे सैटेलाइट संचार, जीपीएस सिस्टम, पॉवर ग्रिड तक में खराबी ला सकते हैं। इनकी वजह से ध्रुवों के पास ऑरोर गतिविधि दिखती है, जो कि ध्रुवों के पास आसमान में शानदार रंगीन नजारे होते हैं। लेकिन, इनके होने और इनके प्रभाव पहले से अनुमान लगाना बहुत ही मुश्किल काम है।

कैसे किया गया अध्ययन?

सबरीना गुस्तावीनो की अगुआई में जिनोआ यूनिवर्सिटी के खगोलविदों की टीम ने इस चुनौती को हल करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया।

क्या-क्या निकलता है?

सूर्य की सतह की गतिविधियां ही अपने आप में काफी घटनापूर्ण होती है। इसे सौर ज्वाला, सौर पवनें, विद्युत और चुंबकीय तरंगें, हानिकारक विकिरण आदि बहुत कुछ निकलता है। सौर पवन में महीन आवेशित कण होते हैं। उसके अलावा विद्युत चुंबकीय तरंगे भी कम हानिकारक नहीं होती है। लेकिन, पृथ्वी की मैग्नेटिक फील्ड इन सभी का असर धरती तक पहुंचने नहीं देती है।

बिल्कुल सटीक परीक्षण

शोधकर्ताओं ने पाया कि वे पुराने आंकड़ों का इस्तेमाल कर 2024 की घटनाओं की सही पूर्वानुमान लगाने में सफल रहे जो कि एआई की क्षमताओं को परखने का सही मौका थीं। मकसद, सौर ज्वालाओं को होने का अनुमान लगाने के साथ उनमें बदलाव, सीएमई के बनने और पृथ्वी पर भूचुंबकीय तूफानों का अनुमान लगाना भी था, और नतीजे शानदार मिले। शोधपत्र के मुताबिक अनुमान अभूतपूर्व सटीकता भरे थे और परम्परागत तरीकों के विपरीत तकनीक से काफी अनिश्चितताएं कम हो गई थीं। नतीजे में सीएमई के पृथ्वी तक पहुंचने और भूचुंबकीय तूफानों की शुरुआत करने का समय भी सटीक था। यह अध्ययन बहुत ही उपयोगी साबित होने वाला है कि इससे अब वैज्ञानिक यह पता लगा सकेंगे कि बिजली की पॉवर ग्रिड, संचार और सैटेलाइट के कामकाज कब बंद होंगे। इतना ही नहीं, वैज्ञानिक ऑरोर का भी अनुमान पहले से लगा पाएंगे।

छत्तीसगढ़ का मुकाबला दिल्ली से, सभी खिलाड़ी पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नवा रायपुर के शहीद वीरनारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में लीजेंड 90 लीग टूर्नामेंट के बीच गुरुवार को पहला मैच छत्तीसगढ़ और दिल्ली के बीच खेला जाएगा। छत्तीसगढ़ की टीम के कप्तान सुरेश रैना तथा दिल्ली के शिखर धवन होंगे। बुधवार को सभी 6 टीमों के खिलाड़ी राजधानी पहुंच गए। इन्हें शहर के बाहर विभिन्न होटलों में ठहराया गया। खिलाड़ी दोपहर तक प्रैक्टिस करेंगे। इसके बाद शाम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में ओपनिंग सेरेमनी की शुरुआत होगी। आईपीएल की तर्ज पर दर्शकों को ओपनिंग सेरेमनी देखने का मौका मिलेगा। इसमें तमन्ना भाटिया, आयुष्मान खुराना और हार्डी संधू धमाकेदार परफॉर्मेंस करने वाले हैं। स्पर्धा का फायनल 17 फरवरी होगा। डबल-हेडर मैच में पहला मैच शाम 4 बजे से रात 7 तक चलेगा, जिसके बाद दूसरा मैच रात 7 के बाद रात 10 तक चलेगा। एक मैच लगभग तीन घंटे का होगा।

■ लीजेंड 90 लीग टूर्नामेंट आज से

हाईकोर्ट ने बीएड व डीएडधारियों को काउंसलिंग में शामिल होने दिया निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

बीएड और डीएड मामले में बीएडधारियों की रिट पिटीशन पर सुनवाई करते हुए जस्टिस अमितेश किशोर प्रसाद ने दस फरवरी से होने वाली काउंसिलिंग में उन बीएड धारियों को भी शामिल करने का निर्देश दिया है, जो पहले अपनी डीएड उपाधि का उल्लेख नहीं कर पाए हैं। अगली सुनवाई 24 फरवरी से शुरू हो रहे सप्ताह में होगी।

सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के आदेश पर डीएड अभ्यर्थियों की भर्ती करने के लिए पूर्व में शासन ने 2855 अभ्यर्थियों की लिस्ट हाईकोर्ट में पेश की थी। शासन को कोर्ट के आदेश पालन के लिए 15 दिन का समय स्वीकार करते हुए एकलपीठ ने ऐसा नहीं करने पर हाईकोर्ट द्वारा कड़ी कार्रवाई किए जाने की चेतावनी दी थी। हाल ही में स्वाति देवांगन समेत कई बीएड धारकों ने हाईकोर्ट में नये सिरे से एक पिटीशन दाखिल कर कहा है कि वह लोग भी शिक्षा विभाग की उस काउंसिलिंग में शामिल होना चाहते हैं, जिसमें डीएड धारियों की भर्ती प्रक्रिया होगी। इसकी वजह बताते हुए इन लोगों ने याचिका में यह कारण बताया कि यह सब भी डीएड भी कर चुके हैं, मगर पहले अपने आवेदन में इसका उल्लेख नहीं कर पाए थे। इस पर सुनवाई करते हुए जास्ती ए के प्रसाद ने कहा कि कोर्ट इस मामले के मेरिट्स पर कोई निर्देश नहीं देगा, मगर वह इस प्रकार के अभ्यर्थियों को भी काउंसिलिंग में शामिल करने की अनुमति देता है। भर्ती के लिए जो काउंसिलिंग 5 फरवरी से होनी थी उसे बढ़कर 10 फरवरी करने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही कोर्ट ने शासन को जवाब देने 4 सप्ताह और याचिकाकर्ताओं को 2 सप्ताह का समय दिया गया है।

गढ़िया पहाड़ पर तेंदुआ

कांकेर। कांकेर के गढ़िया पहाड़ पर बुधवार को एक तेंदुआ आराम करते नजर आया। इधर, तेंदुए की आमद से आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है।

वसंत आने पर बोलती है ये चिड़िया गर्मी के बाद साध लेती है चुप्पी

हजारीबाग। वसंत ऋतु के आगमन के साथ हजारीबाग में ठठेरा वसंत चिड़िया की आवाज सुनाई देने लगती है। यह पक्षी जिले के कई क्षेत्रों में देखने को मिलता है। इसकी आवाज ही इसकी पहचान है। आवाज टुक-टुक के समान आती है। जिसे सुनकर ऐसा लगता है कि कोई ठठेरा तांबे के बर्तन पर चोट कर रहा हो। इस पक्षी को अंग्रेजी में कॉपरस्मिथ बर्बेट के नाम से जनता है।

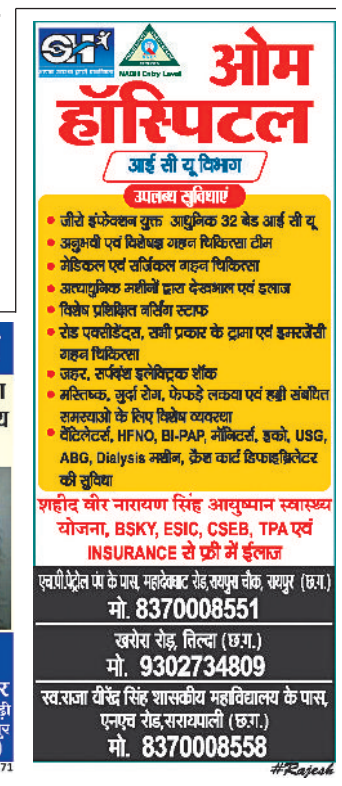

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com